VANI
Celebrating 30 Years
VOICE OF THE VOLUNTARY SECTOR

सी-20 की अंतिम पांच विज्ञप्तियों का विश्लेषण

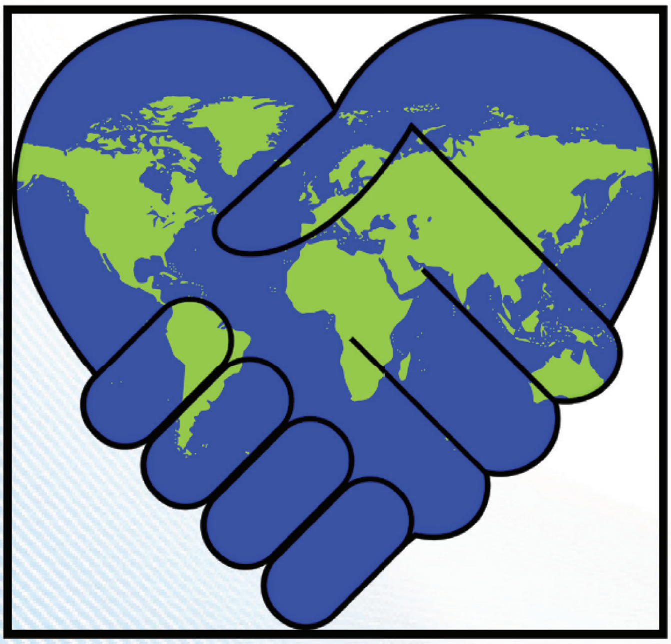

HEINRICH BÖLL STIFTUNG
REGIONAL OFFICE NEW DELHI

लेखकः वॉलंटरी एक्शन नेटवर्क इंडिया (वाणी)

अगस्त 2022

कॉपीराइट (सी) वॉलंटरी एक्शन नेटवर्क इंडिया
इस पुस्तक की सामग्री को प्रकाशक को उचित स्वीकृति के साथ पूर्ण या आंशिक रूप से पुन: प्रस्तुत किया जा सकता है।

प्रकाशन:
वॉलंटरी एक्शन नेटवर्क इंडिया (वाणी)
वाणी हाउस, 7, पीएसपी पॉकेट,
सेक्टर -8, द्वारका, नई दिल्ली 110 077
फ़ोन: 91- 11 - 49148610, 40391661, 40391663
ई-मेल: info@vaniindia.org
वेबसाइट: www.vaniindia.org

डिज़ाइन: शेड्स

विषय वस्तुः

लघुरूप 4

प्रस्तावना 5

परिचय 6

सी-20 की अंतिम पांच विज्ञप्ति के मुख्य बिंदु 9

सी-20 सुझावों से लेकर जी-20 घोषणाओं तक 16

अपेक्षा बनाम कार्यान्वयन का विश्लेषण 25

निष्कर्ष 30

लघुरूप:

सीएसओ - सिविल सोसाइटी आर्गेनाइजेशन

सी-20- सिविल 20

जी-20- ग्रुप ऑफ़ 20

एससी- स्टीयरिंग कमिटी

आईएससी- इंटरनेशनल एडवाइजरी कमिटी

टीबी - ट्यूबरक्लोसिस

एएमआर - एंटी-मिक्रोबायल रेजिस्टेंस

डब्ल्यूएचओ - वर्ल्ड हेल्थ आर्गेनाइजेशन

यूएचसी- यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज

आईएलओ - इंटरनेशनल लेबर आर्गेनाइजेशन

जीएफएसजी - ग्रीन फाइनेंस स्टडी ग्रुप

ईएसजी- एन्वाइरोमेन्टल, सोशल एंड गवर्नेंस

जीएचजी- ग्रीन हाउस गैसेस

एसडीजी - सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल

जीएमईपी- ग्लोबल मरीन एन्वाइरोमेंट प्रोटेक्शन

पीए- पेरिस एग्रीमेंट

एफएफएस- फॉसिल फ्यूल सब्सिडीस

एलटीएस - लॉन्ग टर्म स्ट्रेटजीस

यूएन - यूनाइटेड नेशंस

एएमआईएस - एग्रीकल्चरल मार्किट इनफार्मेशन सिस्टम

आईएमएफ - इंटरनेशनल मॉनेटरी फण्ड

एमएसएमई- मिनिस्ट्री ऑफ़ माइक्रो, स्माल एंड मीडियम इंटरप्राइजेज

एसएमई- स्माल टू मीडियम एंटरप्राइज

आईएचआर - इंटरनेशनल हेल्थ रेगुलेशंस

ओईसीडी- आर्गेनाइजेशन फॉर इकनोमिक कोऑपरेशन एंड डेवलपमेंट

एमडीबी - मल्टीलेटरल डेवलपमेंट बैंक्स

एनबीएफआई - नॉन बैंक फिनांशियल इंटरमीडिएशन

एलजीबीटीक्यू- लेस्बियन, गे, बाइसेक्सुअल, ट्रांसजेंडर, क्वीर एंड अदर्स

डब्ल्यूजी- वर्किंग ग्रुप

जीडीपी - ग्रॉस डोमेस्टिक प्रोडक्ट

प्रस्तावना:

जी 20 (20 का समूह) के इतिहास में पहली बार, भारत दिसंबर 2022 से शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा और 2023 में जी 20 नेताओं का शिखर सम्मेलन आयोजित करेगा। यह दोहरे उत्सव का कारण है, क्योंकि यह भारत की आजादी के 75वें वर्ष के साथ मेल खाता है। भारत के लिए जी 20 मंच द्वारा वैश्विक संवाद करना बेहद महत्वपूर्ण होगा, जो आने वाले वर्षों में देश के लिए अनुकूल परिस्थितियाँ उत्पन्न करेगा। जी-20 मेजबान देशों द्वारा पिछले पांच वर्षों में सभी महत्वपूर्ण विश्व मुद्दों को कवर किया गया है। भारत को, एक उभरती हुई शक्ति और 1.30 बिलियन लोगों की आवाज होने के नाते, 2023 में एक प्रमुख भूमिका निभानी है, जब यह जी-20 शिखर सम्मेलन के लिए पद ग्रहण करेगा। जी-20 की अध्यक्षता की मेजबानी से पर्यटन, आतिथ्य, आईटी और नागरिक उड्डयन जैसे विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक अवसर भी पैदा होंगे।

इस प्रक्रिया में सी-20 (सिविल 20) की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। सिकुड़ते समाज सेवी क्षेत्र और घटती स्वतंत्रता का सामना करती दुनिया में, सकारात्मक परिवर्तन के लिए एक मध्यस्थ के रूप में सी-20 की भूमिका कभी भी अधिक महत्वपूर्ण नहीं रही है। समाज सेवी क्षेत्र आधुनिक समय की राजनीति का अभिन्न अंग है और यह बड़े पैमाने पर जनसाधारण से सीधा संपर्क साधते है और इनके अनुभव समावेशी निर्णय लेने और नीतिगत सुसंगतता प्राप्त करने के लिए मूल्यवान है। आयोजक देश के समाज सेवी क्षेत्र के रूप में, एक समावेशी और जीवंत सी-20 प्रक्रिया को व्यवस्थित करना हमारी सामूहिक जिम्मेदारी है। यह सरकार के साथ घनिष्ठ साझेदारी, तालमेल और सहयोग का प्रदर्शन भी करता है। सी-20 हमेशा जी-20 सचिवालय और शेरपा के साथ तालमेल बनाकर रखता है। कोविड -19 के प्रभावों को कम करने में सरकार और स्वैच्छिक क्षेत्र के बीच सहयोग उल्लेखनीय है तथा इसके परिणाम असाधारण रहे है। हम एक समावेशी प्रक्रिया की कल्पना करते हैं जो भारतीय विकास सहयोग और दक्षिण-दक्षिण सहयोग को प्रदर्शित करेगी।

पूरे भारत में स्वैच्छिक संगठनों का एक राष्ट्रीय मंच होने के नाते वाणी ने 2023 में सी-20 की तैयारी के लिए स्वयं सेवी संगठनों (सीएसओ) को जुटाना शुरू कर दिया है। इस पहल के हिस्से के रूप में वाणी ने जी-20 से सी-20 की अंतिम पांच विज्ञप्ति का विश्लेषण किया। जिससे अंतर उजागर हो गए हैं और इस रिपोर्ट द्वारा व्यवस्थित रूप से खाली स्थानों को प्रस्तुत करने का प्रयास किया जा रहा है, जो पिछले संचारों और घोषणाओं के गहन अध्ययन से संगठित किया गया है। रिपोर्ट का उद्देश्य सीएसओ को जी-20 और सी-20 के बारे में जानकार बनाने के लिए एक विस्तृत समझ प्रदान करना है और निश्चित रूप से भारत में सी-20 प्रक्रिया को और अधिक प्रभावी बनाने में उनकी सहायता करेगा।

इस रिपोर्ट को लिखने के लिए, मैं डॉ. पल्लवी रेखी, कार्यक्रम अधिकारी, वाणी और हेनरिक बॉल फाउंडेशन को इस दस्तावेज़ में सहयोग करने के लिए धन्यवाद देता हूं।

हर्ष जेटली,
सीईओ, वाणी

परिचय:

सिविल-20 जी-20 के अंतर्गत 2013 में निर्मित एक आधिकारिक समूह है। इसने कई वर्षों से अपने क्षेत्र का विस्तार किया है और दिन प्रतिदिन मजबूत होता गया है। सी-20 का मुख्य उद्देश्य वैश्विक नेताओं के समक्ष समाज सेवी क्षेत्र की अभिव्यक्ति और उनकी मांगों का प्रतिनिधित्व करना है, इसका उद्देश्य इस क्षेत्र के मूल लक्ष्यों की रक्षा करना, सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देना और इस तथ्य पर आधारित है कि कोई भी पीछे न छूट जाये ।

समाज सेवी क्षेत्र जी-20 प्रक्रियाओं में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है:

- दुनिया के प्रमुख नेता जी-20 एजेंडे से संबंधित मुद्दों पर समाज सेवी क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करते हैं।
- यह सरकारी नीतियों की तकनीकी भाषा और उन्हें समझने में आम जनता की परेशानियों को कम करता है। जिससे स्वयं सेवी संस्थानों को नीतियों को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है।
- ये सरकारी कार्यों का मूल्यांकन करते हैं और समाज के समग्र विकास के लिए बेहतर परिणाम हेतु उन्हें आगे बढ़ाते हैं।
- ये जी-20 साझेदारी को बढ़ावा देते हैं और जी-20 सरकारों को उनसे संबंधित मुद्दों पर विशेषज्ञ और अनुकूल समाधान प्रदान करते हैं।
- ये नागरिकों के हितों की समझ अनुसार सरकार को उनके निर्णयों में संतुलन की सुविधा प्रदान करते हैं। इनकी भागीदारी यह सुनिश्चित करती है कि जी-20 निर्णयो में एक समग्र दृष्टिकोण अपनाता है।

सी-20 ने कुछ सिद्धांत स्थापित किए हैं जिनका पालन वह भविष्य में सी-20 संवाद तंत्र में स्थिरता एवं निरंतरता बनाए रखने के लिए करता है। यह वैश्विक एजेंडे पर चर्चा हेतु सदस्य अथवा गैर-सदस्य देशों के समाज सेवी क्षेत्र के लिए एक वैश्विक मंच के रूप में कार्य करता है, प्रक्रियाओं में पारदर्शिता सुनिश्चित करता है, गैर- समाज सेवी कर्ताओ से स्वतंत्र, एवं अन्य समूहों के साथ सहयोग द्वारा सी-20 के प्रभाव को बढ़ाता है, लैंगिक असमानताओं का मुकाबला करता है, समाज सेवी क्षेत्र कर्ताओ की विविध भागीदारी को बढ़ावा देता हैं, विशेष रूप से वैश्विक दक्षिण और वंचित समूहों के लिए ! यह एक प्रेसीडेंसी (अध्यक्षता) से दूसरे प्रेसीडेंसी (अध्यक्षता) तक निरंतरता बनाए रखता हैं और किसी भी गड़बड़ी से बचने के लिए एक स्पष्ट पूर्व-निर्धारित रणनीति का अनुसरण करता है।

सी-20 अध्यक्षता हर साल जी-20 अध्यक्षता के साथ बदलती है। सी-20 का नेतृत्व पिछले पांच वर्षों में निम्नलिखित देशों ने किया है।

सी-20 संरचना:

सी-20 में पिछले अनुभवों के आधार पर एक निर्धारित संरचना भी है। इस प्रक्रिया में प्रत्येक अधिकारी की एक निश्चित भूमिका होती है। अधिकारियों को हर साल देश से अध्यक्ष नियुक्त किया जाता है।

* सी-20 ट्रोइका: ट्रोइका संरचना, जो सी-20 संचालन समिति (एससी) का हिस्सा है, बीते, वर्तमान और आने वाले जी-20/सी-20 आयोजक देशों के प्रमुख स्वयं सेवी संगठनों में संवाद और समन्वय की सुविधा प्रदान करती है।

* सी-20 अध्यक्ष और सह-अध्यक्ष: सी-20 प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने के लिए सी-20 अध्यक्ष और सह-अध्यक्ष जिम्मेदार होते हैं। प्रत्येक वर्ष के अध्यक्ष और सह-अध्यक्ष की नियुक्ति आयोजक देश में समाज सेवी क्षेत्र द्वारा किया जाता है।

* सी-20 शेरपा: हर साल अध्यक्ष और सह-अध्यक्ष द्वारा शेरपा चुने जाते है, इनकी नियुक्ति में सी-20 संचालन समिति (एससी) और अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समिति (आईएससी) द्वारा अनुमोदन भी किया जाता है, यह बाहरी हितधारकों (जी-20 प्रतिनिधियों), अंतर्राष्ट्रीय संगठन, मीडिया, अन्य जी-20 सहभागिता समूह) के संपर्क हेतु मुख्य व्यक्ति होता है। शेरपा, सी-20 कार्यकारी समूह के अध्यक्षों में धाराप्रवाह और प्रभावी संवाद सुनिश्चित करने, कार्य के प्रासंगिक क्षेत्रों को मुख्यधारा में लाने और विकास करने, सी-20 अध्यक्ष और सह-अध्यक्ष, सी-20 अनुसूची के साथ, एससी और आईएससी द्वारा अनुमोदन के लिए भी जिम्मेदार होता है

* सी-20 सचिवालय: प्रशासनिक, वित्तीय और रसद समन्वय कार्यों के लिए जिम्मेदार होता है।

* सी-20 संचालन समिति: एससी सी-20 का कार्यकारी निकाय है जो यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होती है कि सी-20 एक स्वतंत्र और विविध मंच के रूप में कार्य करे जो जी-20 को समाज सेवी क्षेत्र के विचारों की विस्तृत श्रृंखला को प्रस्तुत करने की सुविधा प्रदान करता है। एससी और अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समिति साथ काम करते है । एससी संपूर्ण प्रक्रिया का नेतृत्व करने और यह सुनिश्चित करने के लिए जिम्मेदार होता है कि सी-20 और उसके कार्य समूह आपस में और सरकारी प्रतिनिधियों के साथ नियमित रूप से मिलते रहे । यह व्यक्तिगत रूप से सी-20 बैठकों के एजेंडा को समन्वित करने में भी मदद करता है। एससी के फैसले आम सहमति से होते हैं। आम सहमति संभव न होने की स्थिति में साधारण बहुमत वाली मतदान प्रणाली के आधार पर मतदान किया जाता है। एससी दोनों क्षेत्रीय एवं लैंगिक समानता आधारित स्थानीय और अंतर्राष्ट्रीय संगठनों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करता है।

* अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार समिति: जी-20 अनुभवी अंतर्राष्ट्रीय स्वयं सेवी संगठनों से बना आईएससी एक सलाहकार निकाय के रूप में कार्य करता है। इसकी मुख्य भूमिका रणनीतिक निर्णय लेने पर एससी को सलाह देना और प्रमुख हितधारकों के बीच दृश्यता बढ़ाने के लिए सी-20 सुझावों का प्रसार करने में सहायता करना है। एससी के परामर्श से, आईएससी एक स्पष्ट रणनीति और योजना विकसित करता है। आईएससी आवश्यकतानुसार सलाह प्रदान करता है और/अथवा आवश्यक समझे जाने पर

सुझाव प्रदान करता है। आईएसी एससी के साथ मिलकर काम करता है और नियमित रूप से संचार स्थापित करता है ।

एससी और आईएसी, सी-20 की संस्थागत संरचना का हिस्सा हैं और सी-20 के विभिन्न क्षेत्रों में दक्ष स्वयं सेवी संगठनों से निर्मित हैं, जिन्हें दो प्रमुख मानदंडों के आधार पर अध्यक्ष और सह-अध्यक्ष द्वारा आमंत्रित किया जाता है: सी-20/जी-20 के स्तर पर काम करने का अनुभव और भौगोलिक तथा विषयगत प्रतिनिधित्व। जैसा कि ऊपर कहा गया है, एससी और आईएसी में अपने प्रतिनिधियों की नियुक्ति करते समय, भाग लेने वाले संगठनों को क्षेत्रीय और लैंगिक संतुलन सुनिश्चित करने की आवश्यकता होती है, जिसमें वंचित समुदाय एवं अल्पाधिकृत समूहों पर विशेष ध्यान दिया जाता है।

आईएसी और एससी में निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए प्रत्येक निकाय में न्यूनतम दो सदस्य पुनः निर्वाचित होने चाहिए। इसी के साथ एससी और आईएसी दोनों में रोटेशन के सिद्धांत लागू किया जाना चाहिए, और केवल असाधारण परिस्थितियों में ही लगातार तीन वर्षों से अधिक सेवा करने वाले सदस्य होने चाहिए ।

रणनीतिक और प्रमुख मुद्दों पर निर्णय लेने के लिए सह-अध्यक्षों, एससी और आईएसी के बीच संचार होना चाहिए।

- वर्किंग ग्रुप कोऑर्डिनेटर्स: प्रत्येक सी-20 कार्य समूह दो संगठनों द्वारा संचालित किया जाता है - अंतरराष्ट्रीय एवं स्थानीय/राष्ट्रीय - कार्य समूह में । जिनके पास विषयों से सम्बंधित अनुभव और विशेषज्ञता होती है। इनके मुख्य कार्यों में विषयगत कार्य समूहों की चर्चाओं को नियंत्रित करना, नीति पत्र तैयार करना, समूह के सुझावों को प्रस्तुत करना आदि शामिल है जिसे वे जी-20 बैठकों में समन्वित करते हैं और सी-20 शेरपा को उनकी गतिविधियों की रिपोर्ट करते हैं।

यह सुनिश्चित करने के लिए कि सी-20 अंतर्राष्ट्रीय सीएसओ समुदाय के प्रतिनिधि के रूप में कार्य करता है, सी-20 और इसके कार्य समूहों के लिए, एससी को दुनिया भर की विविध सीएसओ श्रेणी के प्रोत्साहन और भागीदारी हेतु एक आउटरीच योजना होनी चाहिए। नीतिगत सुझावों और अनुकूल योजनाओं के विकास सीएसओ की अधिकतम और विविध भागीदारी होनी चाहिए। इसका मतलब यह है कि प्रारंभिक नीतिगत सुझावों पर चर्चा करने से पहले ही आउटरीच योजना होनी चाहिए। (1)

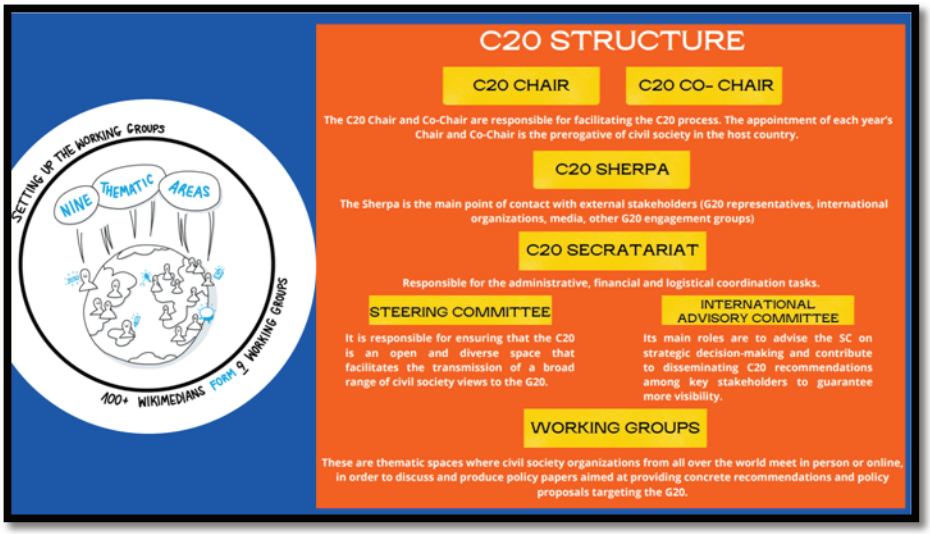

सन्दर्भ:
1. file:///C:/Users/info/Downloads/C20-Principles_final_.pdf

वर्षों से कार्यरत कार्य समूह:

जी-20 के कार्य समूह की तरह ही सी-20 कार्य समूह भी विभिन्न विषयगत समूहों के माध्यम से आयोजक देश और विश्व स्तर पर सम्बंधित मुद्दों को संबोधित करने का प्रयास करता है। ये आयोजक देश और अन्य देशों के स्वयं सेवी संगठनों द्वारा गठित विषयगत समूह हैं, जो वैश्विक अर्थव्यवस्था से सम्बंधित सुझाव प्रदान करते हैं, जो जी-20 नेताओं को उनके निर्णय में सहयोग के लिए प्रस्तुत किए जाते हैं।

अधिकतर, कार्य समूहों की प्रकृति पिछले कुछ वर्षों से एक जैसी रही है, हालाँकि, वर्तमान संदर्भ और आयोजक देश की स्थिति के अनुसार प्रस्तुति भिन्न हो सकती है। इसके अतिरिक्त अन्य कार्य समूहों को भी सी-20 में शामिल किया जा सकता है, यदि उन्हें ऐसा लगता है कि कोई विशेष मुद्दा छूट रहा है और उस पर चर्चा होनी चाहिए।

C20 की अंतिम पांच विज्ञप्तियों के केंद्र बिंदु

सी-20 के कार्यकारी समूह, कुछ नीतिगत सुझावों को प्रस्तावित करने के लिए मिलकर काम करते हैं, जिन्हें जी-20 की अध्यक्षता के माध्यम से जी-20 नेताओं को विचार विमर्श हेतु प्रस्तुत किया जाता है। निम्नलिखित पिछले पांच वर्षों में विषयगत सुझावों की एक तस्वीर प्रस्तुत की जा रही है। यह अध्याय उन बिंदुओं का संक्षिप्त विवरण प्रदान करता है जिन्हें बार-बार विज्ञप्ति में शामिल किया गया है, चाहे वे आवश्यक थे या नहीं, यह एक प्रश्न बना हुआ है।

देश विशिष्ट विज्ञप्ति	कार्यकारी समूह	सुझाव / सिफारिशें
जर्मनी (2017)	वैश्विक स्वास्थ्य	* नए देशव्यापी टीबी उपचार, आहार और एक प्रभावी टीके के विकास को तेजी से नियंत्रित करने के लिए एक तंत्र और वित्त पोषण द्वारा एएमआर एजेंडे में टीबी को प्राथमिकता दी जाये। * मूल्यांकन योगदान में प्रस्तावित 10% की वृद्धि का समर्थन करने के साथ-साथ वैश्विक स्वास्थ्य आवश्यकता के आधार पर डब्ल्यूएचओ के सुधार और मजबूती के लिए। * यह सुनिश्चित करने के लिए कि महामारी के लिए प्रभावी आपातकालीन तैयारी और यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज (यूएचसी)/ सार्वभौमिक स्वास्थ्य आधारित राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणालियों में तालमेल है, 2030 एजेंडा “सबको साथ लेकर चलना” तथा वंचित समुदायो एवं कमजोर आबादी की जरूरतों को पूरा करना।

देश विशिष्ट विज्ञप्ति	कार्यकारी समूह	सुझाव / सिफारिशें
जर्मनी (2017)	लैंगिक असमानता और सामाजिक संरक्षण	* सार्वभौमिक मानवाधिकारों का सम्मान, प्रचार और सुरक्षा, समावेशी और जवाबदेह बनें और नीति निर्माण में समाज सेवी क्षेत्र और जनसाधारण भागीदारी की आवश्यकता को पहचानें। * स्वास्थ्य, शिक्षा, इंटरनेट के प्रभावी उपयोग और सुरक्षा जैसी सेवाओं तक सार्वभौमिक, न्यायसंगत और समावेशी पहुंच प्रदान करना। * लैंगिक मुख्यधारा, बजट और सशक्तिकरण कार्यक्रमों सहित कानूनों और नीतियों के माध्यम से लैंगिक समानता प्राप्त करना। * 2025 तक रोजगार में लैंगिक अंतर को 25% तक कम करने के लिए जी-20 की प्रतिबद्धता को पूरा करें। * आईएलओ द्वारा परिभाषित "जीवन चक्र me, सभी जरूरतमंदों को आवश्यक स्वास्थ्य देखभाल और मौलिक आय सुरक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए" सामाजिक सुरक्षा एजेंसियो को डिजाइन करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। * सभी कम आय वाले लोगों को वादा किए गए नकद हस्तांतरण को वितरित करें। संकट के समय स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए ठोस वित्तीय और वित्तीय योजना के आधार पर सार्वजनिक स्वास्थ्य और शिक्षा प्रणालियों के उचित कामकाज को सुनिश्चित करें। * यह आश्वस्त करें कि अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सहयोग के माध्यम से पर्याप्त सार्वजनिक संसाधन तथा सामाजिक सुरक्षा प्रदान की जाये । * न्यूनतम निर्वाह मजदूरी, समान वेतन और दूसरों के साथ समान स्तर पर सामाजिक सुरक्षा के साथ रोजगार सृजित करने के लिए एक कार्य योजना तैयार करें। * सार्वभौमिक मानवाधिकारों का सम्मान, प्रचार और सुरक्षा, समावेशी और जवाबदेह बनें और नीति निर्माण
	अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली का सुधार	* बैंकों के जोखिमों को कम करने के लिए कानूनों और नियमों को मजबूत बनाना। * विविध बैंकिंग प्रणाली को बढ़ावा देना। * अत्यधिक सट्टेबाजी (मुद्रा के विरुद्ध) और वित्तीय अस्थिरता को रोकने के लिए घरेलू अर्थव्यवस्था में विदेशी पूंजी के प्रवाह को सीमित करें। * सभी सम्बंधित मंचों को व्यवस्थित और व्यापक ऋण पुनर्गठन प्रक्रियाओं को तैयार करने के लिए प्रोत्साहित करें। * आर्थिक और प्राकृतिक आपात स्थितियों की तत्कालीन प्रतिक्रिया के रूप में कमजोर देशों के लिए उन्नत ऋण राहत तंत्र तैयार करें। * ऋण स्थिरता सिद्धांतों पर सहमति हो। * स्थायी वित्त को जी-20 एजेंडे का केंद्र बनाने के लिए स्थायी कार्य समूह द्वारा स्टडी ग्रुप ऑन ग्रीन फाइनेंस (जीएफएसजी) को अपग्रेड करना। * स्थिरता जोखिमों और अवसरों पर अनिवार्य प्रकटीकरण की आवश्यकता है। * संयुक्त राष्ट्र अंतर-सरकारी कर निकाय की स्थापना का सहयोग करें। * देशो की रिपोर्टिंग जानकारी सार्वजनिक रूप से प्रकट करने के लिए बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ आवश्यक है। * कंपनियाँ, फाउंडेशन, ट्रस्ट और अन्य कानूनी संस्थाओं के लाभ की सार्वजनिक रजिस्ट्रियां स्थापित करें।

देश विशिष्ट विज्ञप्ति	कार्यकारी समूह	सुझाव / सिफारिशें
जर्मनी (2017)	जिम्मेदार निवेश और निजी क्षेत्र की भूमिका	* निजी क्षेत्र के कर्ताओ द्वारा अनिवार्य एन्वाइरोमेन्टल, सोशल एंड गवर्नेंस (ईएसजी)/ पर्यावरण, सामाजिक और शासन प्रकटीकरण के माध्यम से पारदर्शिता सुनिश्चित करें। * सुनिश्चित करें कि सार्वजनिक संरचना और निजी व्यवसायों में निवेश की गई निजी पूंजी उत्तरदायी और दीर्घकालीन परियोजनाओं, क्षेत्रों और कंपनियों की ओर निर्देशित हो। * अंतरराष्ट्रीय सम्मेलनों और मानकों के अनुरूप उत्तरदायी व्यावसायिक आचरण को प्रोत्साहित और विनियमित करना।
	जलवायु और ऊर्जा स्थिरता:	* पेरिस समझौते और संबंधित समझौतों के तेजी और मजबूती से कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध। * मध्य-शताब्दी, दीर्घकालिक, निम्न-जीएचजी उत्सर्जन विकास रणनीतियों को विकसित करने के लिए प्रतिबद्ध। * विशेष रूप से अत्यधिक गरीब और अत्यधिक कमजोर आबादी के लिए जलवायु परिवर्तन में सहयोग करें। * कार्बन उत्सर्जन को कम करते हुए टिकाऊ और समावेशी विकास को प्रोत्साहित करने के लिए स्पष्ट मूल्य निर्धारित करें, जिसमें जीवाश्म ईंधन सब्सिडी को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना शामिल है। * वित्तीय बाजारों को पेरिस समझौते और एसडीजी के साथ संरेखित करें। * संरचना विकास सुनिश्चित करना जो दीर्घकालीन और जलवायु के अनुकूल हो।
	कृषि और खाद्य सुरक्षा	* जी 20 को सभी के लिए दीर्घकालीन खाद्य और पोषण सुरक्षा पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए - छोटे पैमाने के किसानों पर ध्यान केंद्रित करना और कृषि के पुनर्विन्यास पर ध्यान देना चाहिए।
	पर्यावरण और पानी	* बड़े पैमाने की संरचना, विशेष रूप से जलविद्युत और सिंचाई प्रणालियों में निवेश करने से पहले जल-विभाजक स्तर पर एक एकीकृत योजना दृष्टिकोण को बढ़ावा देना। * दीर्घकालीन विकास लक्ष्यों के लिए पानी और स्वच्छता की ओर ध्यान केंद्रित करे और 2030 तक दीर्घकालीन विकास लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए स्पष्ट मूल्यांकन लक्ष्य (वार्षिक) निर्धारित करें।पानी का समान आवंटन सुनिश्चित करें। * "वाटर फुटप्रिंट" को कम करें और सभी प्रकार के पानी के कब्जे पर रोक लगाएं। * सुनिश्चित करें कि जल और जल सेवाएं सार्वजनिक और लोकतांत्रिक नियंत्रण में रहें। * जलग्रहण वनों और आर्द्रभूमि क्षेत्रों का संरक्षण करना और उन्हें पुनर्स्थापित करना और प्रदूषक-भुगतान-सिद्धांत को लागू करना। * ग्लोबल मरीन एन्वाइरोमेंट प्रोटेक्शन (जीएमईपी)/ वैश्विक समुद्री पर्यावरण संरक्षण पहल को फिर से शुरू करें। * समुद्री कूड़े का सामना करें। * वन्यजीव अपराध भ्रष्टाचार के विरुद्ध लड़ने के लिए प्रतिबद्ध।

देश विशिष्ट विज्ञप्ति	कार्यकारी समूह	सुझाव / सिफारिशें
अर्जेंटीना (2018)	भ्रष्टाचार विरोधी	* प्रमुख संरचना परियोजनाओं में वर्तमान जी-20 प्रतिबद्धताओं और भ्रष्टाचार विरोधी अभ्यास के कार्यान्वयन पर ध्यान दें।
	अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संरचना प्रणाली	* भ्रष्टाचार, कर चोरी, आतंकवादी वित्तपोषण और धन शोधन के विरुद्ध लड़ाई में एक उपकरण के रूप में पारदर्शिता बढ़ाना।
	शिक्षा, रोजगार और समावेश	* शिक्षा के अधिकार और कार्य क्षेत्र में संक्रांति की गारंटी वाली सार्वजनिक नीतियां। * शैक्षिक न्याय उन्मुख सार्वजनिक वित्त पोषण नीतियां। * मानव अधिकार तंत्र में श्रम समावेशन नीतियां।
	पर्यावरण, जलवायु और ऊर्जा	* जलवायु परिवर्तन के सबसे गंभीर प्रभावों को रोकने के लिए महत्वाकांक्षा बढ़ाना। * 2050 तक 1.5ºC और नेट जीरो जीएचजी उत्सर्जन के अनुरूप महत्वाकांक्षी दीर्घकालिक रणनीतियों का विकास करना। * जलवायु वित्त को बढ़ाएं और पीए और एसडीजी के साथ वित्तीय प्रवाह को संरेखित करें। * फॉसिल फ्यूल सब्सिडी (एफएफएस)/ जीवाश्म ईंधन सब्सिडी को चरणबद्ध तरीके से समाप्त करना। * लचीली अर्थव्यवस्थाओं, पारिस्थितिक तंत्रों और समाज की ओर वैश्विक परिवर्तन का सहयोग करें। * सुनिश्चित करें कि संरचना निम्न-कार्बन, समावेशी, पर्यावरण की दृष्टि से सुदृढ़ और जलवायु अनुकूल हो। * भविष्य में सभी के लिए ऊर्जा का संरक्षण, दीर्घकालीन पहुंच के अनुसार 100% नवीकरणीय ऊर्जा का हस्तांतरण सुनिश्चित करें। * खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए जैव विविधता की रक्षा करें।
	लिंग	* श्रम बाजार की भागीदारी में लैंगिक अंतर को कम करने के लिए एक कार्य योजना विकसित करना। * कार्य योजना का कार्यान्वयन सुनिश्चित करें।
	निवेश और संरचना	* उत्तरदायी व्यावसायिक आचरण सुनिश्चित करना। * ऐसी संरचना सुनिश्चित करना जो लोगों की जरूरतों को पूरा करती हो।
	स्थानीय से वैश्विक	* स्वयं सेवी संस्थाओं के कानूनी निर्माण और संचालन को सुविधाजनक बनाने के लिए नीतियां। * समाज सेवी क्षेत्र के लिए कार्रवाई की स्वतंत्रता में सहयोग करने वाली नीतियां। * समाज सेवी क्षेत्र को मजबूत करने में सहायता करने वाली नीतियां।
	वैश्विक स्वास्थ्य	* 2018 में संयुक्त राष्ट्र की उच्च स्तरीय बैठक में टीबी के विषय में दिए गए सुझावों को लागू करना ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि 2030 तक टीबी को समाप्त करने के एसडीजी लक्ष्यो को प्राप्त किया जा सके। * संक्रामक बीमारियों से निपटने के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य को प्राथमिकता दें। * वित्तीय जोखिम सुरक्षा और उत्तम आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुंच। * यह सुनिश्चित करना कि स्वास्थ्य सेवाएं मानवाधिकार के रूप में सुधार के केंद्र में है।

देश विशिष्ट विज्ञप्ति	कार्यकारी समूह	सुझाव / सिफारिशें
जापान (2019)	भ्रष्टाचार विरोधी	* जवाबदेही और सत्यनिष्ठा बढ़ाने के लिए पर्याप्त वैधानिक, प्रशासनिक और सामाजिक उपाय स्थापित और मजबूत करना। * जी 20 सरकारों को भ्रष्टाचार से निपटने के लिए सीमा पार काम करना चाहिए।
	शिक्षा	* दीर्घकालीन विकास को साकार करने के लिए उत्तम शिक्षा। * सभी स्तरों पर पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में सामाजिक, भावनात्मक और जीवन कौशल का समावेशन, अनुवर्ती कार्रवाई और प्रमाणपत्र । * समान, सुरक्षित, सुलभ और समावेशी शैक्षिक अवसर। * सार्वजनिक शिक्षा में निवेश को प्राथमिकता दें और शैक्षिक न्याय की गारंटी के लिए निजी शिक्षा को नियमित करें।
	पर्यावरण, जलवायु और ऊर्जा	* जलवायु परिवर्तन के सबसे गंभीर प्रभावों को रोकने के लिए महत्वाकांक्षी बनना । * 100% नवीकरणीय ऊर्जा के भविष्य के लिए उचित हस्तांतरण सुनिश्चित करें। * एफएफएस को समाप्त करें। * जलवायु वित्त को बढ़ाएं और पीए तथा एसडीजी के साथ वित्तीय प्रवाह को संरेखित करें। * सुनिश्चित करें कि संरचना कम कार्बन वाली, समावेशी, पर्यावरण के अनुकूल और जलवायु के अनुकूल हो। * पारिस्थितिक तंत्र की अखंडता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए जैव विविधता की रक्षा करें। * समुद्री प्लास्टिक प्रदूषण कम करें।
	लिंग	* 2025 तक श्रम बाजार की भागीदारी में लैंगिक अंतर को 25 प्रतिशत तक कम करने के लिए राष्ट्रीय कार्यान्वयन योजनाओं को विकसित और कार्यान्वित करना। * लिंग आधारित हिंसा को रोकने, उसका विरोध करने और उसका निरिक्षण करने के लिए संसाधन बढ़ाएँ। * समुदाय और राष्ट्रीय स्तर पर परस्पर भेदभाव और हानिकारक लैंगिक मानदंडों को खत्म करना। * जी 20 एजेंडे में लैंगिक मुख्यधारा की रणनीति को संस्थागत बनाना।
	संरचना	* एसडीजी और पेरिस समझौते सहित प्रमुख अंतरराष्ट्रीय लक्ष्यों और समझौतों के साथ संगति। * दीर्घकालीन विकास के लिए राष्ट्रीय रणनीतियों और प्राथमिकताओं के साथ संगति। * संरचना निवेश करते समय सामाजिक और पर्यावरण सुरक्षा उपायों पर विचार किया जाना चाहिए। * जी 20 और बहुपक्षीय एजेंसियों की 'निजी वित्त प्राथमिकता' को गुणवत्ता बढ़ाने वाले सार्वजनिक निवेश से बदला जाना चाहिए।

देश विशिष्ट विज्ञप्ति	कार्यकारी समूह	सुझाव / सिफारिशें
जापान (2019)	अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संरचना	* वित्तीय पारदर्शिता और अवैध वित्तीय प्रवाह सुनिश्चित करें। * 21वीं सदी के उपयुक्त व्यापक कराधान सुधारों के लिए प्रतिबद्ध हो। * बढ़ती गरीबी और असमानता से होने वाले ऋण संकट को रोकें।
	वैश्विक स्वास्थ्य	* संक्रामक रोगों के निदान, उपचार और निरिक्षण क्षमता का विस्तार करना और यूएचसी सुनिश्चित करना। * वृद्ध जनसंख्या और दीर्घकालिक स्वस्थ्य व्यय को यूएचसी तंत्र और योजना के अभिन्न अंग के रूप में माना जाना चाहिए। * एएमआर जांच के लिए नए जांच उपायों और एएमआर के निदान हेतु एंटीबायोटिक उपचारों के लिए सार्वजनिक स्वास्थ्य जरूरतों एवं साक्ष्य-आधारित अनुसंधानो को सहयोग और वित्त पोषण करना।
	श्रम, व्यवसाय और मानवाधिकार	* योग्य रोज़गार सहयोग प्रदान करने वाली नीतियां। * व्यापार और मानव अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र के मार्गदर्शक सिद्धांतों को लागू करने के लिए नीतियां। * एक समावेशी डिजिटल समाज के लिए नीतियां।
	स्थानीय से वैश्विक	* समाज सेवी क्षेत्र में स्वतंत्र कार्रवाई को सहयोग करने वाली नीतियां। * सीएसओ के कानूनी निर्माण और संचालन को सुविधाजनक बनाने के लिए नीतियां। * विकास के लिए दीर्घकालीन भागीदारी तंत्र को सक्षम बनाने वाली नीतियां।
	व्यापार और निवेश	* जी-20 देशों की आर्थिक नीतियों में तत्काल बदलाव की जरूरत है, जिसकी अलग-अलग प्राथमिकताएं और परिणाम हों। * एक नई आर्थिक नीति और दीर्घकालीन विकास के लिए, विभिन्न नियमों, कर प्रणालियों, सामाजिक प्रणालियों, श्रम कानूनों और पर्यावरण कानूनों की आवश्यकता होती है।
सऊदी अरब (2020)	1. भ्रष्टाचार विरोधी 2. जलवायु, ऊर्जा और स्थिरता 3. डिजिटल अर्थव्यवस्था 4. शिक्षा 5. रोजगार और सामाजिक सुरक्षा 6. लिंग 7. वैश्विक स्वास्थ्य 8. संरचना 9. अंतर्राष्ट्रीय वित्त संरचना 10.स्थानीय से वैश्विक	* समावेशी सुधार के लिए न्यायसंगत नीतियां अपनाएं। * बहुपक्षवाद में विश्वास पुनर्स्थापित करें * जलवायु और पारिस्थितिक संकट पर तुरंत ध्यान दें। * कोविड -19 प्रतिक्रिया के दौरान जवाबदेही और पारदर्शिता बनाए रखना। * वैश्विक प्रतिबद्धताओं के कार्यान्वयन का अनुसरण करना और कोविड-19 के बहाने के रूप में निष्क्रियता का उपयोग नहीं करना। * एसडीजी कार्रवाई दशक के लिए वित्तीय अंतर को कम करना।

देश विशिष्ट विज्ञप्ति	कार्यकारी समूह	सुझाव / सिफारिशें
इटली (2021)	दीर्घकालीन विकास के लिए 2030 एजेंडा	* 2030 एजेंडे (एसडीजी 17 के सन्दर्भ सहित) के सिद्धांतों और विषय अनुसार विकास के लिए बहु-क्षेत्रीय भागीदारी का निर्माण और मजबूती द्वारा सीएसओ संलग्नता और सार्वजनिक नीति विकास में पूर्ण भागीदारी के लिए बेहतर चैनलों का निर्माण करना ।
	वैश्विक स्वास्थ्य	* टीकों और कोविड वस्तुओ पर ट्रिप्स छूट पर ध्यान केंद्रित करना। * रोकथाम, तैयारी और पुनर्विकास पर बहुपक्षीय पहल को बढ़ावा देने के लिए जी-20 को सक्रिय होना चाहिए।
	जलवायु, जैव विविधता और पारिस्थितिक परिवर्तन	* एफएफएस को समाप्त करना। * जी-20 देशों को जलवायु संकटो का प्रस्तुतीकरण अनिवार्य करना चाहिए। * जैव विविधता संरक्षण, जलवायु परिवर्तन राहत कार्य और उसका अनुकूलन, और भविष्य में जूनोटिक महामारी की रोकथाम के लिए पारिस्थितिक तंत्र की अखंडता को संरक्षित और पुनःस्थापित करना। * अधिक लचीली और टिकाऊ कृषि को बढ़ावा देना।
	वैश्विक नागरिकता और शिक्षा	* मानव अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और वैश्विक नागरिकता के लिए शिक्षा को एक मौलिक उपकरण के रूप में मान्यता देना।
	भ्रष्टाचार विरोधी	* संगठित अपराध से संबंधित भ्रष्टाचार से निपटने के लिए समाज सेवी क्षेत्र की मजबूत भागीदारी को सक्षम बनाना।
	डिजिटलीकरण	* डिजिटल असमानता को बढ़ने से रोकने के लिए जी-20 द्वारा नीतियो पर ध्यान देने की आवश्यकता है।
	लिंग	* कानूनों और नीतियों को मजबूत करके लैंगिक मुद्दों का समाधान करें और लैंगिक समानता स्थापित करें।
	श्रम (कार्य बल)	* मानव अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र सिद्धांतों को अनुमोदित और कार्यान्वित किया जाना चाहिए।
	वित्त: अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय निर्माण, संरचना, व्यापार और निवेश	* सरकारी राजकोषीय दायरे का विस्तार करें। * ऋण समाधान के लिए एक बहुपक्षीय, निष्पक्ष और पारदर्शी तंत्र शामिल करें। * वर्तमान चुनौतियों का सामना करने के लिए अतिरिक्त नकदी की तत्काल आवश्यकता है

सी-20 सुझावों से लेकर जी-20 घोषणाओं तक

देश विशिष्ट जी-20 घोषणा	विषय	सुझाव
जर्मनी (2017)	वैश्विक स्वास्थ्य	* रोकथाम, तैयारी और प्रतिक्रिया सुनिश्चित करने के लिए स्वास्थ्य संकटो से सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना। * एंटी-माइक्रोबियल प्रतिरोध से निपटने के लिए प्रक्रियाओं को मजबूत करना।
	असमानता, लिंग और सामाजिक संरक्षण	* यह सुनिश्चित करें कि 2025 तक सभी नागरिक डिजिटल संपर्क में हो। * युवा लोगों को श्रम बाजार में एकीकृत करने के लिए गुणवत्ता प्रशिक्षुता सहित व्यावसायिक शिक्षा और प्रशिक्षण की भूमिका को पहचानें। * 2025 तक श्रम बल भागीदारी में लैंगिक अंतर को 25 प्रतिशत तक कम करने की प्रतिबद्धता। * उत्तम शिक्षा और प्रशिक्षण, सहायक संरचना, सार्वजनिक सेवाओं और सामाजिक सुरक्षा नीतियों और कानूनी सुधारों के प्रावधान के माध्यम से श्रम बाजारों तक महिलाओं की पहुंच में सुधार करना। * अफ़्रीका पर ध्यान केंद्रित करते हुए विकासशील देशों में ग्रामीण युवा रोज़गार के लिए जी-20 पहल शुरू करना।
	अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली में सुधार	* स्वतंत्र और लचीली वित्तीय प्रणाली के लिए प्रतिबद्धता तथा अनुबंधित अंतरराष्ट्रीय मानकों पर आधारित दीर्घकालीन विकास महत्वपूर्ण है। * अंतरराष्ट्रीय पूंजी प्रवाह को आधार प्रदान करने वाली वित्त प्रणाली में सुधार जारी रखें, दृण और स्थायी वित्तपोषण प्रथाओं को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दें। * पारदर्शिता और लाभकारी स्वामित्व पर अंतर्राष्ट्रीय मानकों के प्रभावी कार्यान्वयन द्वारा भ्रष्टाचार, कर चोरी, आतंकवादी वित्तपोषण और मनी लॉन्ड्रिंग के खिलाफ लड़ाई में एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में कार्य करे * व्यावहारिक अंतरराष्ट्रीय सहयोग और तकनीकी सहायता सहित भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध।
	जिम्मेदार निवेश और निजी क्षेत्र की भूमिका	* पूर्वानुमान और पारस्परिक रूप से लाभप्रद व्यापार संबंधों के लिए पारदर्शिता के महत्व की पुष्टि करें। * व्यापार और निवेश उदारीकरण तथा तकनीकी हस्तांतरण की समयोजन लागत को कम करने एवं उपयुक्त घरेलू नीतियों के साथ-साथ समावेश तथा दीर्घकालीन वैश्विक विकास की दिशा में अंतर्राष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने पर अनुभवों का आदान-प्रदान करे । * हम प्रत्यक्ष विदेशी निवेश को सुविधाजनक बनाने और बरक़रार रखने के लिए रणनीतियों की पहचान करने की कोशिश करेंगे। * हम अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मान्यता प्राप्त tantra के अनुरूप श्रम, सामाजिक और पर्यावरण मानकों और मानवाधिकारों के कार्यान्वयन को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

देश विशिष्ट जी-20 घोषणा	विषय	सुझाव
जर्मनी (2017)	स्थिरता: जलवायु और ऊर्जा	* दीर्घकालीन स्वच्छ ऊर्जा और ऊर्जा दक्षता पर नवाचार में वृद्धि करके, अन्य बातों के साथ-साथ, जीएचजी उत्सर्जन को कम करना। * दीर्घकालीन विकास के लिए 2030 एजेंडा के साथ हमारे कार्यों को संरेखित करना। * 2030 एजेंडा के कार्यान्वयन के लिए स्वैच्छिक सहकर्मी शिक्षा में संलग्न हों।
	कृषि और खाद्य सुरक्षा	* पानी और पानी से संबंधित पारिस्थितिक तंत्रों की कुशलता से रक्षा, प्रबंधन और उपयोग करने के लक्ष्य अनुरूप कृषि उत्पादकता और लचीलेपन को स्थायी रूप से बढ़ाना। * किसानों के लिए हाई-स्पीड डिजिटल सेवाओं तक पहुंच। * वैश्विक खाद्य बाजारों में पारदर्शिता बढ़ाने के लिए, हम कृषि बाजार सूचना प्रणाली (एएमआईएस) को मजबूत करने और इसकी संपूर्ण सदस्यता की सक्रिय भागीदारी का आह्वान करते हैं।
	पर्यावरण और पानी	* जी20 संसाधन दक्षता संवाद प्राकृतिक संसाधनों के उपयोग में दक्षता और स्थिरता में सुधार करने तथा स्थायी खपत और उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए उचित प्रथाओं और राष्ट्रीय अनुभवों का आदान-प्रदान करेगा। * जी20 'मरीन लिटर एक्शन प्लान' समुद्री कचरे को रोकने और कम करने का प्रयास करता है, जिसमें इसके सामाजिक-आर्थिक पहलुओं पर विचार करना भी शामिल है। * वन्यजीव अपराध में भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए प्रतिबद्ध।

देश विशिष्ट जी-20 घोषणा	विषय	सुझाव
अर्जेंटीना (2018)	भ्रष्टाचार विरोधी	* भ्रष्टाचार से लड़ने के लिए व्यावहारिक सहयोग जारी रखें। * आतंकवादी उद्देश्यों के लिए इंटरनेट और सोशल मीडिया के शोषण के विरुद्ध डिजिटल उद्योग के साथ मिलकर काम करने का आग्रह करें।
	अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संरचना प्रणाली	* विश्व स्तर पर निष्पक्ष, स्थायी और आधुनिक अंतरराष्ट्रीय कर प्रणाली के लिए काम करें। * वित्तीय प्रणाली में उभरते जोखिमों और कमजोरियों का निरिक्षण करना और आवश्यकता अनुसार उनका निपटान तथा निरंतर नियामक और पर्यवेक्षक सहयोग के माध्यम से विखंडन को संबोधित करना । * ऋण पारदर्शिता और स्थिरता को बढ़ाना। * स्थायी वित्त जुटाना और वित्तीय समावेशन को मजबूत करना।

देश विशिष्ट जी-20 घोषणा	विषय	सुझाव
अर्जेंटीना (2018)	शिक्षा, रोजगार और समावेशन	* मजबूत, टिकाऊ, संतुलित और समावेशी विकास के लिए नीतिगत साधनों का उपयोग करें और नकारात्मक संकटो से बचाव करें। * विकास और उत्पादकता को मजबूत करने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करें। * सभ्य कार्य०, व्यावसायिक प्रशिक्षण और कौशल विकास को बढ़ावा देकर भविष्य में एक समावेशी, निष्पक्ष और टिकाऊ कार्य क्षेत्र का निर्माण करना। * कम प्रतिनिधित्व सहित कमजोर समूहों की श्रम शक्ति भागीदारी में वृद्धि को बढ़ावा देना। * काम जगत में बाल श्रम, जबरन मजदूरी, मानव तस्करी और आधुनिक गुलामी को मिटाने के लिए कार्रवाई करें। * रोजगार और समान गुणो वाली शिक्षा नीतियों के बीच समन्वय।
	पर्यावरण, जलवायु और ऊर्जा	* ग्रामीण क्षेत्रों और स्थायी कृषि में गतिशीलता को बढ़ावा देना। * सार्वजनिक और निजी हितधारकों में मजबूत जोखिम प्रबंधन, बदलते परिवेश में संयोजन की सुविधा, जैव विविधता की रक्षा और कृषि पर कठोर मौसम के प्रभावों को कम करने हेतु प्रभावी प्रतिक्रिया के लिए सहयोग।
	लिंग	* 2025 तक श्रम बल भागीदारी दरों में लैंगिक अंतर को 25% तक कम करना। * महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव और लिंग आधारित हिंसा को समाप्त करने के उद्देश्य से पहल को बढ़ावा देना।
	निवेश और संरचना	* सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों और उद्यमियों को बढ़ावा देने, डिजिटल संरचना में सुधार और डिजिटल अर्थव्यवस्था के मूल्यांकन उपायों को बढ़ावा देना। * निरंतर संरचना के वित्तपोषण की कमी को दूर करना।
	स्थानीय से वैश्विक	* कोई उल्लेख नहीं
	वैश्विक स्वास्थ्य	* 2030 तक एसडीजी के स्वास्थ्य संबंधी पहलुओं के कार्यान्वयन के लिए एक कार्य योजना विकसित करें। * भविष्य में एएमआर के प्रसार को कम करने के लिए बहु-क्षेत्रीय कार्रवाई। * राष्ट्रीय, सामुदायिक एवं सहयोगात्मक बहु-हितधारक दृष्टिकोण द्वारा कुपोषण का निपटान। * हम अपने राष्ट्रीय संदर्भों और प्राथमिकताओं के अनुसार स्वास्थ्य क्षेत्र में बेहतर पहुंच बनाने और यूएचसी के लिए इसकी गुणवत्ता और सामर्थ्य में सुधार करने के लिए किफायती और सिद्ध हस्तक्षेप वाली मजबूत एवं आवश्यक स्वास्थ्य प्रणालियों की पुष्टि करते हैं।

देश विशिष्ट जी-20 घोषणा	विषय	सुझाव
	भ्रष्टाचार विरोधी	* संबंधित अंतरराष्ट्रीय उपकरणों और तंत्रों के बीच तालमेल को मजबूत करते हुए जी 20 भ्रष्टाचार विरोधी कार्य योजना 2019-2021 को लागू करके भ्रष्टाचार को रोकें और इसके खिलाफ लड़ाई लड़ें, एवं अखंडता को बढ़ावा दें।
	शिक्षा	* हम मानव पूंजी में निवेश करने और सभी के लिए समावेशी, समान और उत्तम शिक्षा को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता की पुष्टि करते हैं।
	पर्यावरण, जलवायु और ऊर्जा	* कठोर व्यावहारिक कार्रवाई करना, दुनिया भर से सर्वोत्तम प्रथाओं और ज्ञान को एकत्र करना, सार्वजनिक और निजी वित्त, प्रौद्योगिकी और निवेश को जुटाना तथा कारोबारी माहौल में सुधार करना। * दीर्घकालीन विकास के लिए समावेशी वित्त को बढ़ावा देने का प्रयास करेंगे, जिसमें सार्वजनिक और निजी वित्तपोषण जुटाना और उनका संरेखण करना, साथ ही कम उत्सर्जन और लचीले विकास के लिए व्यापक क्षेत्रों में नवाचार ko शामिल करेंगे। * हम ऊर्जा परिवर्तन "3E+S" (ऊर्जा सुरक्षा, आर्थिक दक्षता, और पर्यावरण + सुरक्षा) का अनुभव करते हैं ताकि हमारी ऊर्जा प्रणालियों को जल्द से जल्द सस्ती, विश्वसनीय, टिकाऊ और कम जीएचजी उत्सर्जन प्रणालियों में परिवर्तित किया जा सके।
जापान (2019)	लिंग	* 2025 तक पुरुषों और महिलाओं के बीच श्रम बल की भागीदारी में अंतर को 25 प्रतिशत तक कम करना। * महिलाओं के खिलाफ सभी प्रकार के भेदभाव को समाप्त करें और रूढ़ियों का मुकाबला करें और महिलाओं को शांति के एजेंट के रूप में और संघर्ष की रोकथाम और समाधान के रूप में मान्यता दें। * डिजिटल क्षेत्र में लिंग अंतर को कम करने के लिए, गरीबी और ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाली लड़कियों और महिलाओं की आवश्यकता अनुसार डिजिटल प्रौद्योगिकी तक पहुंच को बढ़ाना जारी रखें। * हम डिजिटल सहित सभी प्रकार की लैंगिक हिंसा, दुर्व्यवहार और उत्पीड़न को समाप्त करने के लिए उपायो की पुष्टि करते हैं।
	संरचना	* सार्वजनिक वित्त में स्थिरता के साथ दीर्घकालीन विकास की प्राप्ति के लिए संरचना के सकारात्मक प्रभाव को बढ़ाना, संरचना लागत के अंतर्गत आर्थिक दक्षता में वृद्धि, महिलाओं का आर्थिक सशक्तिकरण, पर्यावरण और सामाजिक विचारों को एकीकृत करना, प्राकृतिक आपदाएं और अन्य जोखिमो के विरुद्ध लचीलापन बनाना, और संरचना प्रशासन को मजबूत करना।
	अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय संरचना	* मजबूत, स्थायी, संतुलित और समावेशी विकास प्राप्त करने के लिए सभी नीति साधनों का उपयोग करें और नकारात्मक संकटो से बचे। * एक मजबूत, कोटा-आधारित, और पर्याप्त रूप से संसाधनयुक्त अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के साथ वैश्विक वित्तीय सुरक्षा को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता। * ऋण पारदर्शिता में सुधार और ऋण स्थिरता को सुरक्षित करने के लिए उधारकर्ताओं और लेनदारों, आधिकारिक और निजी दोनों क्षेत्रों द्वारा किए गए संयुक्त प्रयासों को दोहराएं। * विश्व स्तर पर निष्पक्ष, स्थायी और आधुनिक अंतर्राष्ट्रीय कर प्रणाली के लिए अपना सहयोग जारी रखें।

देश विशिष्ट जी-20 घोषणा	विषय	सुझाव
जापान (2019)	वैश्विक स्वास्थ्य	* नीति विकास तथा सार्वजनिक और निजी क्षेत्र में नवाचार को बढ़ावा देने के लिए स्वास्थ्य कार्यबल और मानव संसाधनों को बढ़ाने के साथ गुणवत्ता पर ध्यान देने के साथ स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करना। * नीतिगत उपायों के माध्यम से स्वस्थ और सक्रिय वृद्धि को बढ़ावा देना। * सार्वजनिक स्वास्थ्य की तैयारी और प्रतिक्रिया में सुधार करना। * एएमआर से निपटने के लिए स्वास्थ्य दृष्टिकोण के आधार पर प्रयासों में तेजी लाना।
	श्रम, व्यवसाय और मानवाधिकार	* डिजिटलीकरण के माध्यम से एक समावेशी, स्थायी, सुरक्षित, भरोसेमंद और अभिनव समाज निर्माण की दिशा में काम करें। * सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यमों (एमएसएमई) और कमजोर समूहों के बीच डिजिटलीकरण को बढ़ावा देने और स्मार्ट शहरों के विकास के लिए शहरों के बीच नेटवर्किंग और अनुभव-साझाकरण को भी प्रोत्साहित करना। * आर्थिक गतिविधियों में युवाओं, महिलाओं और विकलांग व्यक्तियों की भागीदारी में वृद्धि जारी रखते हुए, एक स्वस्थ और सक्रिय समाज का विकास करना जिसमे वृद्ध श्रमिकों की भागीदारी सक्षम हो। * रचनात्मक उद्योग में योग्य नौकरियों और उद्यमशीलता का सृजन करना, विशेष रूप से महिलाओं, और युवाओं के लिए * वर्तमान, नई और उन्नत तकनीकों तक पहुंच और उपयोग के महत्व पर प्रकाश डालें। हम कृषि-खाद्य क्षेत्र में नए प्रवेशकों को आकर्षित करने और युवाओं और महिलाओं को सशक्त बनाने के लिए नवाचार, कौशल प्रशिक्षण और सभी के लिए आजीवन शिक्षा को भी प्रोत्साहित करते हैं।
	स्थानीय से वैश्विक	कोई उल्लेख नहीं
	व्यापार और निवेश	* एक स्वतंत्र, निष्पक्ष, भेदभाव मुक्त, पारदर्शी, पूर्वानुमान और स्थिर व्यापार और निवेश वातावरण और स्वतंत्र बाजारों के लिए प्रयास करें। * निजता, डेटा सुरक्षा आदि से संबंधित चुनौतियों का समाधान करना, डेटा मुक्त सुगम प्रवाह और उपभोक्ता तथा व्यावसायिक विश्वास को मजबूत बनाना । * व्यापार और डिजिटल अर्थव्यवस्था के बीच इंटरफेस के महत्व की पुष्टि करते है ।

देश विशिष्ट जी-20 घोषणा	विषय	सुझाव
सऊदी अरब (2020)	भ्रष्टाचार विरोधी	* हम भ्रष्टाचार को रोकने और उसका मुकाबला करने के लिए अंतरराष्ट्रीय संगठनों, समाज सेवी क्षेत्रों, मीडिया और निजी क्षेत्र सहित एक बहु-हितधारक दृष्टिकोण को अपनाने और बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

देश विशिष्ट जी-20 घोषणा	विषय	सुझाव
सऊदी अरब (2020)	जलवायु, ऊर्जा और स्थिरता	* हमारे ग्रह की सुरक्षा करना और सभी लोगों के लिए पर्यावरण की दृष्टि से अधिक टिकाऊ और समावेशी भविष्य का निर्माण करना। * समुद्री पर्यावरण का संरक्षण करना। * सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करना और स्वैच्छिक आधार पर नवाचार और नई तकनीकों को बढ़ावा देना, जिससे स्थायी, लचीला और एकीकृत जल प्रबंधन की वृद्धि होगी। * आर्थिक विकास, जलवायु परिवर्तन और जैव विविधता हानि से निपटने के लिए ऊर्जा की स्थिर और निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित करना।
	डिजिटल अर्थव्यवस्था	* कोविड -19 के दौरान व्यवसाय मॉडल के डिजिटलीकरण का सहयोग करने के लिए नीतिगत विकल्पों पर ध्यान दें। * सार्वभौमिक, सुरक्षित और किफायती कनेक्टिविटी, डिजिटल अर्थव्यवस्था, समावेशी विकास, नवाचार और दीर्घकालीन विकास के लिए एक उत्प्रेरक है * एक स्वतंत्र, निष्पक्ष और भेदभाव मुक्त वातावरण को बढ़ावा देने तथा उपभोक्ताओं की रक्षा करने और उन्हें सशक्त बनाने में सहायता करना । * वैश्विक इंटरनेट पहुंच को तेज करके और डिजिटल विभाजन को कम करके लोगो को कनेक्ट करने के लिए हितधारकों के साथ काम करें। * डिजिटल अर्थव्यवस्था में सुरक्षा को बढ़ावा देना और उनसे संबंधित प्रथाओं के जी-20 उदाहरणों का स्वागत करना। * नवाचार को आगे बढ़ाने के लिए बहु-हितधारक चर्चाओं को बढ़ावा दें। * हम स्मार्ट शहरों और समुदायों के कल्याण और लचीलेपन में योगदान के लिए जी-20 स्मार्ट मोबिलिटी प्रथाओं और डिजिटल अर्थव्यवस्था के मूल्यांकन के लिए एक तंत्र के रूप में जी-20 रोडमैप का स्वागत करते हैं।
	शिक्षा	* शिक्षा के क्षेत्र में कोविड -19 महामारी के प्रभाव को कम करने के लिए कार्रवाई करें। * संकट के समय में सुरक्षित, व्यक्तिगत, प्रभावी, उचित दूरी के साथ मिश्रित शिक्षण प्रणाली द्वारा निरंतर शिक्षण सुनिश्चित करें। * सभी के लिए समावेशी, न्यायसंगत और उत्तम शिक्षा। * उत्तम प्राथमिक शिक्षा तक पहुंच और उपलब्धता में सुधार करना। * राष्ट्रीय और उप-राष्ट्रीय कानूनों, नियमों और नीतियों का सम्मान करते हुए शिक्षा के अंतर्राष्ट्रीयकरण को बढ़ावा देना।

देश विशिष्ट जी-20 घोषणा	विषय	सुझाव
सऊदी अरब (2020)	रोजगार और सामाजिक सुरक्षा	* बढ़ती मानवीय जरूरतों को पूरा करना और विस्थापन के मूल कारणों का समाधान करना। * असमानताओं को कम करने के प्रयास जारी रखें। * सभी के लिए अवसरों तक पहुंच बढ़ाने के लिए नीति विकल्पों के जी-20 सूची का सहयोग करें । * हम युवाओं, महिलाओं और एसएमई के लिए डिजिटल वित्तीय समावेशन पर जी-20 उच्च स्तरीय नीति दिशानिर्देशों का भी समर्थन करते हैं। * हम 2020 जी-20 वित्तीय समावेशन कार्य योजना का स्वागत करते हैं। * श्रम बाजारों पर महामारी के विनाशकारी प्रभाव से निपटने के लिए समाधान । * सभी के लिए अच्छी नौकरियों का सृजन, संरक्षण और उन्हें बढ़ावा देना। * सभी के लिए व्यापक, मजबूत और अनुकूल सामाजिक सुरक्षा तक पहुंच का सहयोग करें। * रोजगार सृजन के सहयोग में रोजगार नीतियां और कार्यक्रम तथा सामाजिक संवाद को बढ़ावा देना। * प्रशिक्षण और पुनर्प्रशिक्षण नीतियों के माध्यम से कामगारों की सहायता करना। * जी-20 एंटाल्या युवा लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए जी-20 यूथ रोडमैप 2025 का सहयोग करें ताकि 2025 तक उन युवाओं की हिस्सेदारी को बढ़ाया जा सके, जिन्हें श्रम बाजार में स्थायी रूप से पीछे छूटने का सबसे अधिक जोखिम है। * कार्य जगत में बाल श्रम, बंधुआ मजदूरी, मानव तस्करी और आधुनिक गुलामी को मिटाने के प्रयास जारी रखें।
	लिंग	* यह सुनिश्चित करें कि महामारी लैंगिक असमानताओं को न बढ़ाए। * लैंगिक समानता को बढ़ाने, रूढ़ियों का मुकाबला करने, वेतन अंतर को कम करने और पुरुषों और महिलाओं के बीच अवैतनिक कार्य और जिम्मेदारियों के असमान वितरण का संबोधन जारी रखें। * 2025 तक पुरुषों और महिलाओं के बीच श्रम बल की भागीदारी में अंतर को 25 प्रतिशत तक कम करना।
	वैश्विक स्वास्थ्य	* वैश्विक महामारी की तैयारी, रोकथाम, जांच और प्रतिक्रिया को आगे बढ़ाना। * अंतर्राष्ट्रीय स्वास्थ्य विनियमों (आईएचआर 2005) का पूर्ण अनुपालन। * विकासशील देशों में यूएचसी वित्तपोषण की पुन: पुष्टि करें। * स्वास्थ्य दृष्टिकोण के आधार पर एएमआर और जूनोटिक रोगों का मुक़ाबला जारी रखें। * संक्रामक और गैर- संक्रामक रोगों से निपटने के लिए अपने प्रयासों को बनाए रखें।
	संरचना	* संरचना में प्रौद्योगिकी के उपयोग को बढ़ावा देना। * हम संरचना निवेश में संस्थागत निवेशकों और परिसंपत्ति प्रबंधकों के सहयोग के लिए जी-20/ ओईसीडी रिपोर्ट का स्वागत करते हैं, जो संरचना क्षेत्र में निजी निवेश को प्रभावित करने वाले मुद्दों और चुनौतियों पर निवेशकों के दृष्टिकोण को दर्शाता है और उन्हें संबोधित करने के लिए नीतिगत विकल्प प्रस्तुत करता है।

देश विशिष्ट जी-20 घोषणा	विषय	सुझाव
सऊदी अरब (2020)	अंतर्राष्ट्रीय वित्त संरचना	* मजबूत, कोटा-आधारित और पर्याप्त संसाधन वाले आईएमएफ के साथ शक्तिशाली वैश्विक वित्तीय सुरक्षा सुनिश्चित करें। * आने वाले वर्षों में कम आय वाले विकासशील देशों में बाहरी वित्तपोषण की जरूरतों और स्थायी वित्तपोषण विकल्पों का विश्लेषण तैयार करें। * स्थायी पूंजी प्रवाह को बढ़ावा देने और घरेलू पूंजी बाजार विकसित करने के साथ दीर्घकालिक वित्तीय लचक को मजबूत करना और विकास में सहयोग देना। * गैर-बैंक वित्तीय क्षेत्र के लचीलेपन में सुधार करना। * प्रेषण सहित सस्ता, तेज, अधिक समावेशी और पारदर्शी भुगतान एवं लेनदेन की सुविधा के लिए वैश्विक भुगतान व्यवस्था को बढ़ाना। * किसी भी तथाकथित 'वैश्विक स्थिर मुद्रा' का परिचालन तब तक नहीं करना चाहिए जब तक कि सभी सम्बंधित कानूनी, नियामक और निरीक्षण उचित मानकों द्वारा लागू किये जाये। * मनी लॉन्ड्रिंग, आतंकवादी वित्तपोषण और प्रसार वित्तपोषण के सभी स्रोतों, तकनीकों और चैनलों से निपटना।
	स्थानीय से वैश्विक	* कोई उल्लेख नहीं

देश विशिष्ट जी-20 घोषणा	विषय	सुझाव
इटली (2021)	दीर्घकालीन विकास के लिए 2030 एजेंडा	* एसडीजी के कार्यान्वयन में तेजी लाने और दुनिया भर में एक स्थायी, समावेशी, लचीली और पुनर्स्थापना सहयोग के लिए वैश्विक प्रतिक्रिया। * 2030 एजेंडा पर जी-20 कार्य योजना और विकासशील देशों में कोविड -19 प्रतिक्रिया और पुनर्स्थापना के लिए कार्यों को मजबूत करें। * अफ्रीकी देशों को निरंतर सहयोग प्रदान करे, विशेष रूप से अफ्रीका और एलडीसी में औद्योगीकरण के सहयोग पर जी-20 पहल के माध्यम से। * एसडीजी प्राप्ति की दिशा में बहुपक्षीय विकास बैंकों (एमडीबी) के दीर्घकालिक सहयोग की भूमिका की पुष्टि करें।
	वैश्विक स्वास्थ्य	* निम्न और मध्यम आय वाले देशों की जरूरतों के संबंध में, विशेष रूप से, सुरक्षित, सस्ते, उत्तम और प्रभावी टीकों, चिकित्सीय और उपचार सुविधाओं के लिए समय अनुसार, न्यायसंगत और सार्वभौमिक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए अग्रिम प्रयास। * वैश्विक स्वास्थ्य प्रशासन को मजबूत करने के लिए सामूहिक कार्रवाई। * स्वास्थ्य संबंधी एसडीजी, विशेष रूप से यूएचसी के लिए प्रतिबद्धता। * कोविड -19 के अतिरिक्त अन्य स्वास्थ्य सेवाओं में निरंतरता सुनिश्चित करना और राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्रणालियों और प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को मजबूत करना।

देश विशिष्ट जी-20 घोषणा	विषय	सुझाव
इटली (2021)	जलवायु, जैव विविधता और पारिस्थितिक हस्तांतरण	* 2030 तक जैव विविधता हानि को रोकने और उसमे बदलाव के लिए कार्रवाई को मजबूत करना। * प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, सुरक्षा और दीर्घकालीन उपयोग को सुनिश्चित करने के प्रयास। * पर्यावरण को प्रभावित करने वाले अपराधों का मुकाबला करें। * हम प्रकृति से संबंधित वित्तीय प्रकटीकरण के महत्व को पहचानते हैं। * स्थानीय समुदायों और स्वदेशी लोगों की भागीदारी से आर्थिक, सामाजिक, जलवायु और पर्यावरणीय लाभ देने वाले मूल्यवान उपकरण के रूप में प्राकृतिक समाधानों अथवा पारिस्थितिकी तंत्र दृष्टिकोणों का कार्यान्वयन। * समुद्री जैवविविधता के संरक्षण, सुरक्षा, पुनर्स्थापन और दीर्घकालीन उपयोग के लिए कार्यों को तेज करें। * भूमि क्षति का विरोध करने और नए कार्बन सिंक बनाने के लिए सामूहिक रूप से 1 ट्रिलियन पेड़ लगाने के महत्वकांक्षी लक्ष्य को साझा करें। * जलवायु परिवर्तन के गंभीर और तत्काल खतरे से निपटना। * सामूहिक ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करें। मध्यम अवधि में अक्षम एफएफएस को समाप्त करना और युक्तिसंगत बनाना। * जलवायु परिवर्तन का सामना करते हुए ऊर्जा संरक्षण के लिए प्रतिबद्धता, और कमजोर लोगो और व्यवसायों को सामर्थ्य अनुसार ऊर्जा प्रणालियों के उचित और व्यवस्थित बदलाव की गारंटी सुनिश्चित करता है।
	वैश्विक नागरिकता और शिक्षा	* महिलाओं, लड़कियों एवं कमजोर छात्रों पर विशेष ध्यान देते हुए सभी के लिए उत्तम शिक्षा तक पहुंच सुनिश्चित करना। * शिक्षा, रोजगार और सामाजिक नीतियों के बीच समन्वय बढ़ाना।
	भ्रष्टाचार विरोधी	* भ्रष्टाचार के लिए शून्य सहिष्णुता की प्रतिबद्धता के लिए 2022-2024 भ्रष्टाचार विरोधी कार्य योजना को अपनाएं। * शैक्षणिक, समाज सेवी क्षेत्र, मीडिया और निजी क्षेत्र जैसे अन्य हितधारकों के साथ जुड़ाव को मजबूत करना, और इस क्षेत्र में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका और सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा देना जारी रखेंगे।
	डिजिटलीकरण	* नीति विकल्पों के जी-20 सूची का सहयोग करें - डिजिटल परिवर्तन और उत्पादकता पुनर्प्राप्ति के लिए । * उत्पादन प्रक्रियाओं, सेवाओं और व्यापार मॉडल के डिजिटल परिवर्तन की दिशा में हमारे कार्यों और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। * जी-20 एआई सिद्धांतों के कार्यान्वयन को आगे बढ़ाएं। * निजता, डेटा सुरक्षा, संरक्षण और बौद्धिक संपदा अधिकारों से संबंधित चुनौतियों का समाधान करने के लिए काम करना जारी रखें।

देश विशिष्ट जी-20 घोषणा	विषय	सुझाव
इटली (2021)	लिंग	* शिक्षा और अवसरों तक समान पहुंच, महिला उद्यमिता और नेतृत्व को बढ़ावा देने, लिंग आधारित हिंसा का उन्मूलन करने, सामाजिक, स्वास्थ्य, और शैक्षिक सेवाओं में वृद्धि, लैंगिक रूढ़ियों पर काबू पाने और अवैतनिक वितरण के असमान वितरण के लिए काम करना।
	श्रम (कार्यबल)	* सामाजिक संवाद को बढ़ावा देने और सामाजिक न्याय सुनिश्चित करने के लिए मानव-आधारित नीति दृष्टिकोण अपनाना; सुरक्षित और स्वस्थ कार्य स्थल और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं सहित सभी के लिए उचित कार्य सृजन। * महामारी प्रतिक्रिया और पुनर्स्थापना के प्रयासों में प्रवासी मजदूरों और शरणार्थियों के पूर्ण समावेश का सहयोग करें।
	वित्त: अंतर्राष्ट्रीय वित्तीय निर्माण, संरचना, व्यापार और निवेश	* नियामक तंत्र में अंतर को संबोधित करें। * गैर-बैंक वित्तीय मध्यस्थता (एनबीएफआई) क्षेत्र के लचीलेपन को मजबूत करना। * विकास, रोजगार सृजन और औद्योगिक उत्पादकता को पुनर्स्थापित करने और दीर्घकालीन विकास को बढ़ावा देने के लिए स्वतंत्र , निष्पक्ष, न्यायसंगत, स्थायी, भेदभाव मुक्त और समावेशी नियम-आधारित बहुपक्षीय व्यापार प्रणाली।

अपेक्षा बनाम कार्यान्वयन का विश्लेषण

सी 20 एक स्वतंत्र समुदाय है, जो 2013 से जी-20 प्रक्रिया में दुनिया भर के समाज सेवी क्षेत्र की आवाज को प्रस्तुत करता आया है। यह पर्यावरण, दीर्घकालीन विकास, लैंगिक समानता, मानवाधिकार और सामाजिक, आर्थिक और जलवायु कार्यवाही पर विशेष जोर देने के साथ समाज सेवी क्षेत्र से उत्पन्न होने वाले प्रस्तावों और मांगों को सामने लाने के लिए एक मंच प्रदान करता है।

सी-20 द्वारा जी-20 को सौंपी गई नीतिगत सिफारिशें एवं सुझावों के माध्यम से, यह निर्णय लेने और अर्थव्यवस्था को आकार देने में शामिल जी-20 नेताओं को प्रभावित करने की कोशिश करता है। सी-20 सिफारिशों का प्रस्ताव देते समय एक समग्र दृष्टिकोण सुनिश्चित करता है, और उनके उप अभियान में समावेश स्थापित करता है। हालांकि जी-20 सी-20 द्वारा दिए गए अधिकांश सुझावों को चुनता है, किन्तु जी-20 घोषणाओं के अनुवाद में इनमे कुछ अंतर रह जाता हैं।

संक्षेप में, पिछले पांच वर्षों में कोई भी जी 20 घोषणा, समाज सेवी क्षेत्र से संबंधित नियामक तंत्र का मार्गदर्शन करने के लिए एक स्पष्ट, मानक दृष्टिकोण नहीं रखती है जो सीएसओ क्षमता का अनुभव करने में मदद करती हो। इसके अतिरिक्त, नियम या तो राजकोषीय प्रकृति के हैं और सीएसओ के महत्व के बारे में कुछ पुरानी धारणाओं पर आधारित हैं; या नियंत्रित कर रहे हैं, जहां लगभग सभी पहलुओं को राज्य के अधिकारियों द्वारा नियंत्रित किया जाता है। इसके अलावा, समाज सेवी क्षेत्र को हमलों, अपराधीकरण और कलंक से बचाने, नागरिक क्षेत्र की रक्षा और विस्तार करने तथा समाज सेवी क्षेत्र में साझेदारी बनाने और उसे मजबूत करने के लिए कोई कानून नहीं हैं। सी 20 ने पहले समाज सेवी क्षेत्र की क्षमता को पहचानने और विभिन्न पहलुओं में इस क्षेत्र के साथ भागीदारी को मजबूत करने के लिए सुझाव प्रस्तुत किये हैं, हालांकि, बहुत कुछ किया नहीं गया है।

पिछले पांच वर्षों में सी-20 विज्ञप्ति में कृषि और आजीविका के संबंध में कई सुझावों के बावजूद, अंतिम जी-20 घोषणाओं में बहुत कुछ अनुवाद नहीं किया गया है। विश्व स्तर पर कृषि प्रथाओं को और अधिक स्थायी बनाने के लिए प्रमुख उपायों पर ध्यान केंद्रित किया गया। चूंकि कृषि भारत के सकल घरेलू उत्पाद में बड़े पैमाने पर योगदान करती है, इसलिए इसे भारतीय अध्यक्षता के दौरान भी सुर्खियों में लाया जाना चाहिए।

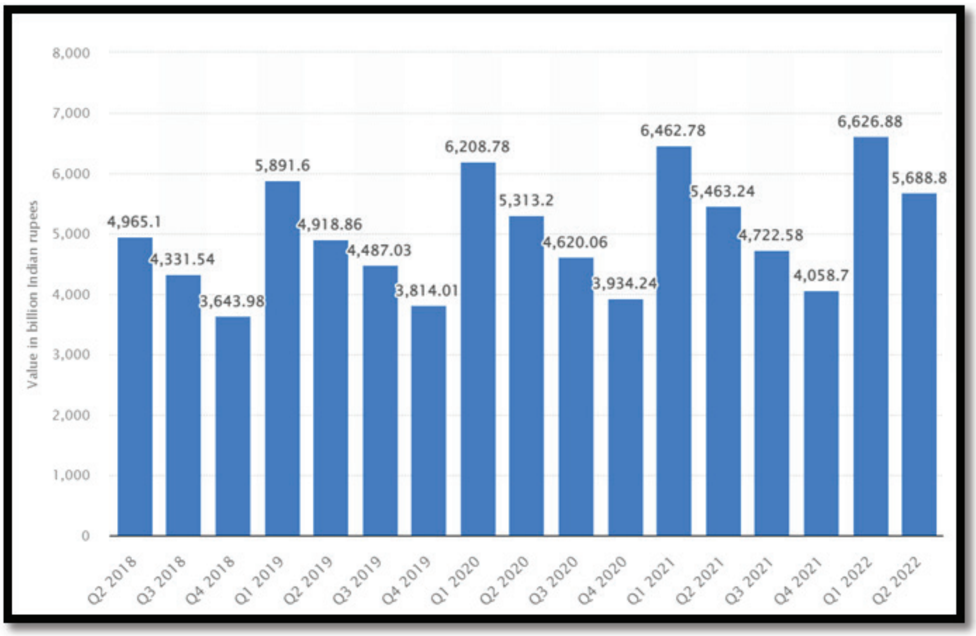

2018 की दूसरी तिमाही से 2022 की दूसरी तिमाही तक भारत के सकल घरेलू उत्पाद में कृषि का योगदान (अरब भारतीय रुपये में)
(स्रोत: https://www.statista.com/statistics/1233800/india-gdp-contribution-from-agriculture/)

जी-20 एजेंडा में लिंग एक और बहुत महत्वपूर्ण क्षेत्र है। पिछले पांच वर्षों में सी 20 विज्ञप्तियां मुख्य रूप से नीतिगत बदलावों और वैश्विक स्तर पर लैंगिक कानूनों को मजबूत करने, कार्यस्थल में लैंगिक समानता, समान रोजगार के अवसरों, लैंगिक हिंसा और भेदभाव को दूर करने और लिंग को मुख्यधारा में लाने पर ध्यान केंद्रित करती रही हैं। जी-20 घोषणाओं में इनमें से अधिकांश को व्यापक स्तर पर शामिल किया गया है, हालांकि, यह संदिग्ध है कि इसमें से कितना वास्तव में लागू किया गया है। एक महत्वपूर्ण अंतर जो देखा गया, वह यह था कि जी-20 अंतिम दस्तावेजों में कहीं भी एलजीबीटीक्यू+ समुदाय के बारे में कोई उल्लेख नहीं है। कुछ जी-20 देशों में एलजीबीटीक्यू+ समुदाय की मान्यता हो सकती है, हालांकि, भेदभाव के खिलाफ कोई कानून नहीं है। वास्तव में, कुछ देशों में, इस समुदाय का हिस्सा होना अभी भी कानून द्वारा दंडनीय है।

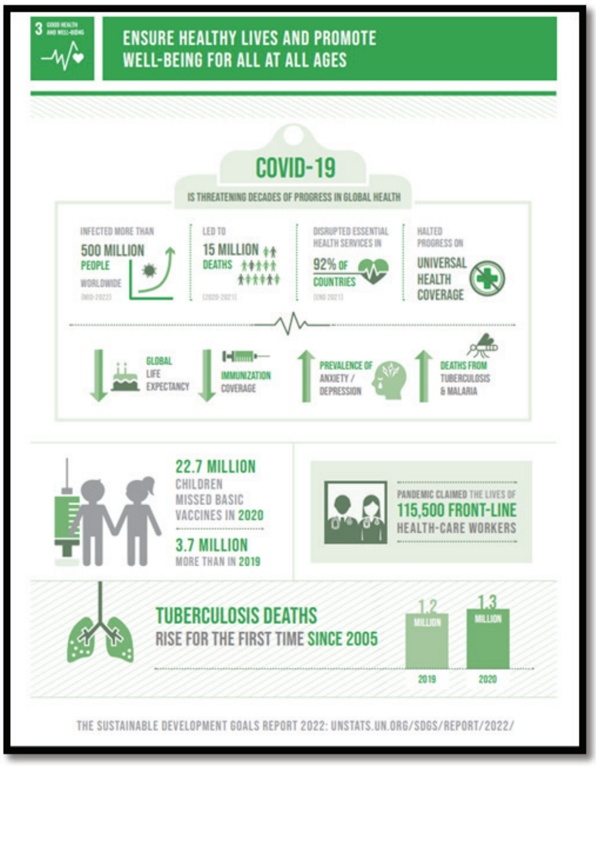

स्वास्थ्य पर सी-20 के सुझावों में यूएचसी, सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने, रोकथाम, तैयारी और पुनर्प्राप्ति पर पहल, और संक्रामक रोगों और एएमआर के प्रबंधन के बारे में बात की गई है। यह उत्साहजनक था कि जी-20 के सुझाव भी इसी तर्ज पर थे। घोषणाओं ने स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करके, एंटी-माइक्रोबियल प्रतिरोध से निपटने के लिए प्रक्रियाओं को मजबूत करके, स्वास्थ्य अंतराल को दूर करने के लिए बहु-हितधारक दृष्टिकोण और स्वास्थ्य वित्तपोषण को मजबूत करके यूएचसी पर भी ध्यान केंद्रित किया।

आंकड़े वैश्विक स्तर पर महामारी से खतरे में पड़ा स्वास्थ्य प्रणालियों की प्रगति को उजागर करते हैं। 92% देशों में उपलब्ध आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवधान थे, यूएचसी के कारण संचालित प्रगति रुक गई, विश्व स्तर पर जीवन संभावना में कमी आई और 2005 के बाद से तपेदिक के कारण मृत्यु दर में काफी वृद्धि हुई।

अंतर्राष्ट्रीय वित्त संरचना एक अन्य कार्य समूह था, जो पिछले पांच वर्षों में जारी रहा। इस कार्य समूह द्वारा वर्षों से प्रदान किये गए सुझाव, भाग्यशाली रहे और उन्हें जी 20 सुझावों में दोहराया गया । इस कार्य समूह ने वित्तीय पारदर्शिता और अवैध वित्तीय प्रवाह सुनिश्चित करके, व्यापक कराधान सुधारों के लिए तथा बढ़ती गरीबी और असमानता से ऋण संकट को रोकने के लिए लचीली प्रणाली को मजबूत करने और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय प्रणाली में स्थिरता बनाए रखने के प्रयासों पर चर्चा के विषय में ध्यान केंद्रित किया ।

एक और प्रमुख मुद्दा जिसका दुनिया सामना कर रही है और उसे अभी भी लड़ रही है वह है भ्रष्टाचार। भ्रष्टाचार से निपटने के प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करने के लिए पिछले कुछ वर्षों में भ्रष्टाचार विरोधी एक कार्य समूह मौजूद है। हाल के वर्षों में कुछ प्रमुख मांगों में जवाबदेही और अखंडता बढ़ाने के लिए मजबूत कानून बनाना, सीमा पार काम करना और सामूहिक रूप से इस समस्या को हल करने के लिए समाज सेवी क्षेत्र के साथ साझेदारी करना शामिल है। संक्षेप में, जी-20 ने नीति स्तर के संशोधनों और इससे लड़ने के लिए एक बहु-हितधारक दृष्टिकोण की शुरुआत करके भ्रष्टाचार के खिलाफ प्रयास करने की बात की।

पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन पर कार्य समूह ने एसडीजी के लिए पीए और 2030 एजेंडे के साथ संरेखण पर केंद्रित विभिन्न सुधारों का सुझाव दिया, ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करना, दीर्घकालीन संरचना को सुनिश्चित करना, नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों में परिवर्तन, जीवाश्म ईंधन सब्सिडी को चरणबद्ध करना और समुद्री पर्यावरण का संरक्षण करना । पर्यावरण क्षेत्र में कार्य समूह द्वारा प्रदान किये गए सभी सुझावों को शामिल करने के लिए सी-20 पिछले पांच वर्षों में जी-20 को प्रभावित करने में सक्षम रहा। हालाँकि, एसडीजी 2022 रिपोर्ट पर्यावरण और जलवायु परिवर्तन से संबंधित लक्ष्यों को प्राप्त करने में धीमी वृद्धि को दर्शाती है।

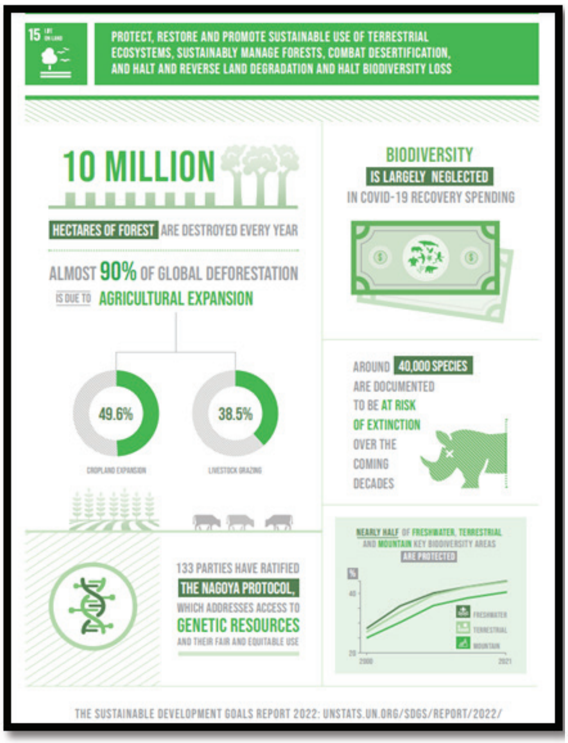

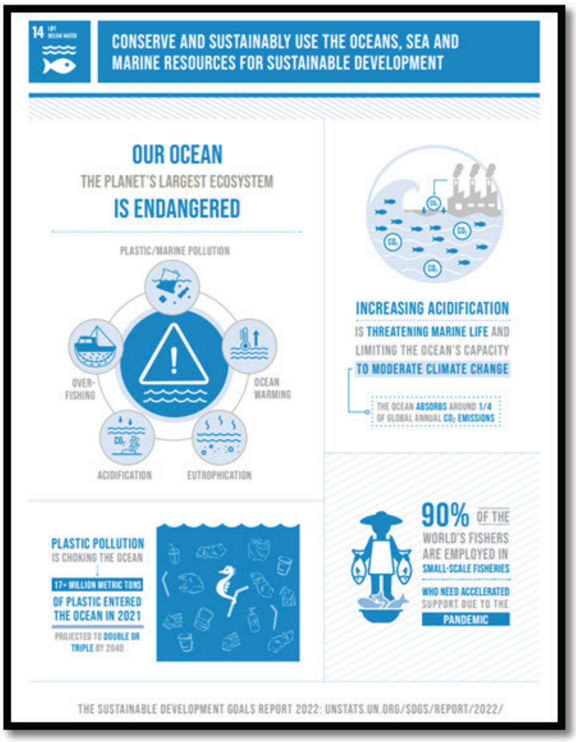

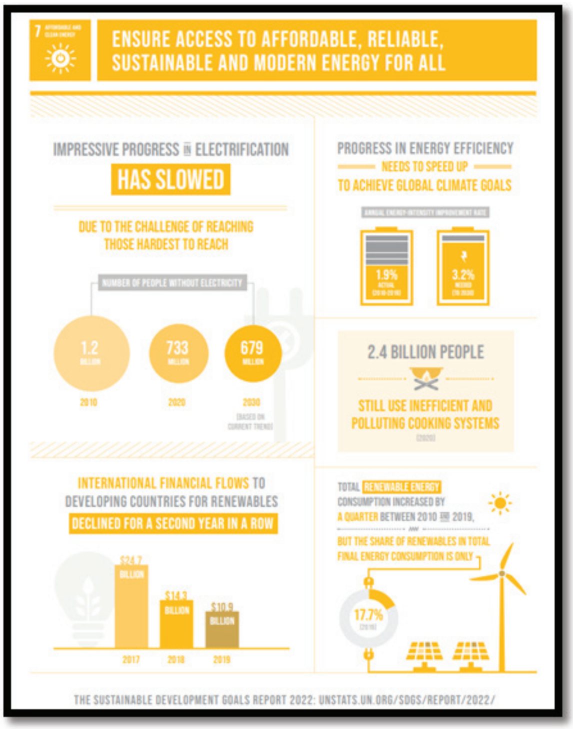

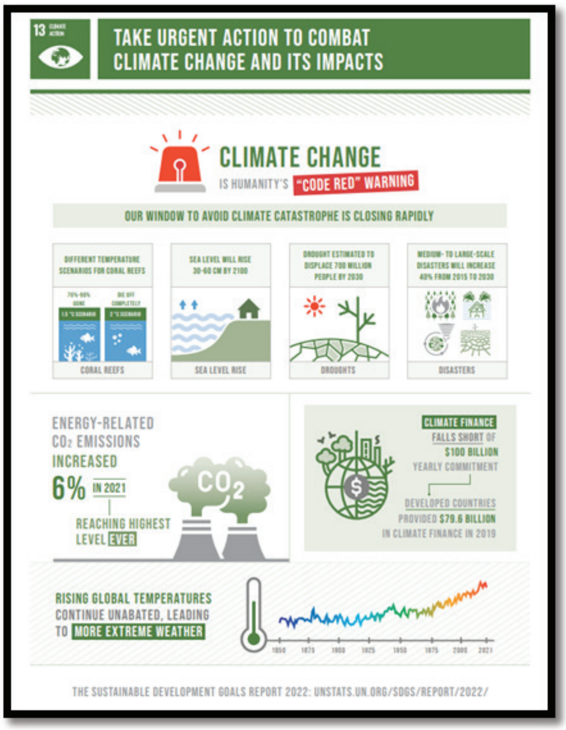

शिक्षा एक और महत्वपूर्ण कार्य समूह है, जो हमेशा से रहा है और निश्चित रूप से भविष्य के एजेंडे में भी शामिल किया जाएगा। सी-20 और जी-20 दोनों ने कौशल विकास प्रदान करने, व्यावसायिक प्रशिक्षण के महत्व को पहचानते हुए, और नीति परिवर्तन के माध्यम से सभी के लिए समावेशी और समान गुणवत्ता वाली शिक्षा को बढ़ावा देकर मानव पूंजी में निवेश करने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की। उन्होंने सभी को शिक्षा और बाद में रोजगार के अवसर प्रदान करने में प्रौद्योगिकी और डिजिटलीकरण के उपयोग को प्रोत्साहित किया। हालाँकि, भारत सहित दुनिया अभी भी सभी को शिक्षा प्रदान करने से संबंधित चुनौतियों से जूझ रही है।

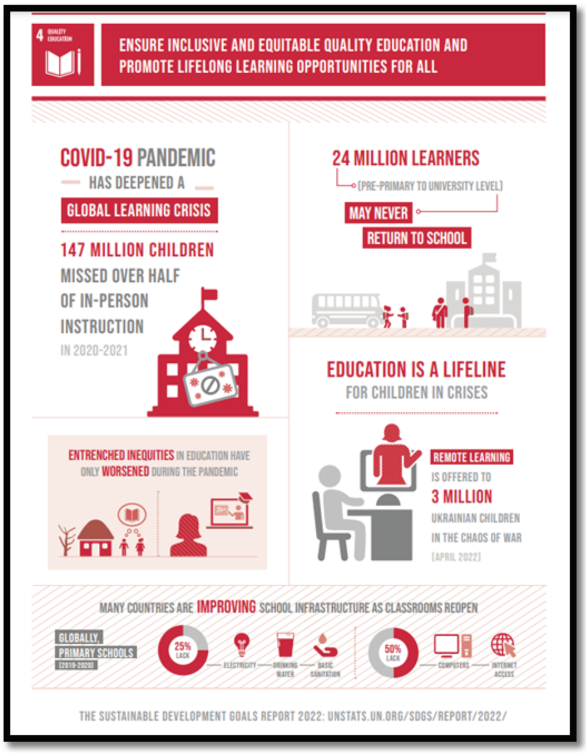

समग्र प्रगति अर्थात एसडीजी 4: समावेशी और समान शिक्षा सुनिश्चित करने और सभी के लिए आजीवन अवसरों को बढ़ावा देने, महामारी द्वारा भारी रूप से बाधित किया गया था। इसने दुनिया भर में शिक्षा प्रणालियों में गंभीर व्यवधान के साथ शिक्षा के संकट को और गहरा कर दिया। स्कूल बंद होने से बच्चों की शिक्षा और कल्याण के चिंताजनक परिणाम हुए, विशेष रूप से लड़कियों और उन लोगों के लिए जो वंचित थे, जिनमें विकलांग बच्चे, ग्रामीण निवासी और जातीय अल्पसंख्यक शामिल थे। एक अनुमान के अनुसार पिछले दो वर्षों में 14.7 करोड़ बच्चे अपने आधे से ज्यादा व्यक्तिगत निर्देश से चूक गए हैं। परिणामस्वरूप, बच्चों की यह पीढ़ी जीवन भर की कमाई (वर्तमान मूल्य में) में कुल $17 ट्रिलियन का नुकसान उठा सकती है।

सी-20 के पिछले पांच वर्षों में जो अंतिम कार्य समूह था वह मानवाधिकारों का था। कार्य समूह का नाम भिन्न हो सकता है या इसे किसी अन्य कार्य समूह के साथ शामिल किया गया हो सकता है, लेकिन इसे जी-20 के एक महत्वपूर्ण एजेंडे के रूप में पहचाना और शामिल किया गया था। यह मुख्य रूप से डिजिटलीकरण, रोजगार सृजन, समावेशन और सामाजिक सुरक्षा और निजी क्षेत्र की भूमिका तथा मानव अधिकारों पर इसके प्रभाव पर केंद्रित है।

सी-20 सचिवालय ने वर्षों से अर्थव्यवस्था को आकार देने वाले जी20 निर्णयों को प्रभावित करने के प्रयास में, विश्व स्तर पर सम्बंधित सभी मुद्दों को शामिल करने की पूरी कोशिश की है। विश्लेषण में कुछ प्रमुख बातें शामिल हैं:

1) सी 20 सुझाव विशिष्ट और संख्या में कम होने चाहिए।

2) उन्हें समावेशी होना चाहिए और सामाजिक कर्ताओ की एक विस्तृत श्रृंखला के हितों का प्रतिनिधित्व करना चाहिए।

3) ग्लोबल साउथ के सीएसओ को भी प्रक्रिया में सह-कर्ता के रूप में शामिल किया जाना चाहिए।

4) सुझाव जी20 के प्राथमिकता वाले क्षेत्रों के अनुरूप होने चाहिए।

निष्कर्ष

सीएसओ को लंबे समय से, विकसित और विकासशील दोनों अर्थव्यवस्थाओं द्वारा स्वास्थ्य, शिक्षा, राहत और अन्य सामाजिक सेवाओं जैसी आवश्यक सेवाओं के प्रदाताओं के रूप में मान्यता दी गई है। उनके असाधारण सामुदायिक संलग्नता कौशल को देखते हुए, उन्हें सार्वजनिक समस्याओं का मुक़ाबला करने में महत्वपूर्ण साधन के रूप में भी माना जाता है। आर्थिक कद, राजनीतिक स्थिति और सांस्कृतिक ताने-बाने की परवाह किए बिना इस तरह के विकास दुनिया भर में हो रहे हैं।

इस मान्यता के बावजूद, अधिकांश जी-20 देशों की सरकारों और समाज सेवी क्षेत्रों के बीच संबंध जटिल और तनाव से भरे हुए हैं। हम दोनों पक्षों को एक दूसरे के साथ जुड़ने के अधिक इष्टतम तरीके खोजने के लिए सुझाव देते है। हालांकि, इस स्थिति के कई कारण हो सकते हैं, वर्तमान स्थिति मुख्य रूप से नियामक तंत्र की कमी से उत्पन्न होती है जो सीएसओ की एक विविध श्रेणी को समायोजित करने में विफल रही है। सामान्य तौर पर, नियम पुराने हैं, और सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक दृष्टि से सीएसओ के विकास का पालन नहीं करते हैं।

हालाँकि, जी 20 एक ऐसा मंच है, जिसे सी 20 के साथ एक समावेशी नीति सुनिश्चित करने के लिए काम करना चाहिए। भारतीय अध्यक्षता हम सभी के लिए दुनिया को भारत की विकास गाथा बताने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। विश्व स्तर पर कई व्यवधानों के बावजूद, भारत ने विशेष रूप से आधुनिक तकनीक और डिजिटलीकरण, जलवायु परिवर्तन और अनुकूलन, नवीकरणीय ऊर्जा और चिकित्सा नवाचारों के उपयोग में कई महत्वपूर्ण मील के पत्थर हासिल किए हैं। मौजूदा दौर दुनिया के लिए भी बहुत चुनौतीपूर्ण है क्योंकि तीन सी (संघर्ष, जलवायु और कोविड) विकास में बाधा बन रहे हैं। दक्षिणी देश, विशेष रूप से अफ्रीका और द्वीपीय राज्य भी समान हित के मुद्दों पर भारतीय नेतृत्व की ओर देख रहे हैं। एक देश के रूप में, हमने दक्षता और गुणवत्ता के साथ बड़े पैमाने पर समाज कल्याण सेवाओं के वितरण का प्रदर्शन किया है। हालाँकि, इससे वैश्विक स्तर पर उम्मीदें बढ़ जाती हैं, विशेष रूप से इस बेहद चुनौतीपूर्ण समय के दौरान। भारतीय अध्यक्षता का अतिरिक्त महत्व है क्योंकि यह भारत की स्वतंत्रता के 75वें वर्ष के दौरान आयोजित किया जा रहा है।

भारतीय समाज सेवी क्षेत्र को जी-20 की भारतीय अध्यक्षता को सफल और जीवंत बनाने के लिए सरकार और निजी क्षेत्र के साथ मिलकर काम करना चाहिए। केवल प्रतिनिधियों को ही नहीं बल्कि शेष विश्व को भी भारत की संस्कृति और विकास का स्वाद मिलना चाहिए।

ग्रन्थसूची

1) 2017-Germany-C20.pdf

2) 2018-Argentina-C20.pdf

3) 2019-Japan-C20.pdf

4) 2020-Saudi-C20.pdf

5) 2021- Rome-C20.pdf

6) 2017 G20 declaration.pdf

7) 2018 G20 declaration.pdf

8) 2019 G20 Declaration.pdf

9) 2020 G20 declaration.pdf

10) 2021 G20 declaration.pdf

HEINRICH BÖLL STIFTUNG
INDIA

www.boell.de, www.in.boell.org

हेनरिक बॉल स्टिफतुंग के बारे में

हेनरिक बॉल स्टिफतुंग एक जर्मन संगठन और हरित आंदोलन का हिस्सा है जो दुनिया भर में समाजवाद, उदारवाद और रूढ़िवाद की पारंपरिक राजनीति की प्रतिक्रिया के रूप में विकसित हुआ है। हम एक ग्रीन थिंक–टैंक और एक अंतरराष्ट्रीय नीति नेटवर्क हैं, हमारे मुख्य सिद्धांत पारिस्थितिकी और स्थिरता, लो. कतंत्र और मानवाधिकार, आत्मनिर्णय और न्याय हैं। हम लैंगिक लोकतंत्र पर विशेष जोर देते हैं, जिसका अर्थ है सामाजिक मुक्ति और महिलाओं और पुरुषों के लिए समान अधिकार। हम सांस्कृतिक और जातीय अल्पसंख्यकों के समान अधिकारों के लिए भी प्रतिबद्ध हैं। अंत में, हम अहिंसा और सक्रिय शांति नीतियों को बढ़ावा देते हैं। अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए, हम उन अन्य लोगों के साथ रणनीतिक साझेदारी चाहते हैं जो हमारे मूल्यों को साझा करते हैं। हमारे उपनाम, हेनरिक बॉल, उन मूल्यों को व्यक्त करते हैं जिनके लिए हम खड़े हैंः स्वतंत्रता की सुरक्षा, नागरिक साहस, सहिष्णुता, खुली बहस, और विचार और कार्रवाई के स्वतंत्र क्षेत्रों के रूप में कला और संस्कृति का मूल्यांकन। हमारा भारत संपर्क कार्यालय 2002 में नई दिल्ली में स्थापित किया गया था।

VANI
Celebrating 30 Years
VOICE OF THE VOLUNTARY SECTOR

www.vaniindia.org

वाणी के बारे में

एक मंच के रूप में, वाणी स्वैच्छिकवाद को बढ़ावा देती है और स्वैच्छिक कार्रवाई के लिए जगह बनाती है। एक नेटवर्क के रूप में, यह देश में स्वैच्छिक कार्रवाई के वास्तविक राष्ट्रीय एजेंडे के निर्माण के लिए सामान्य क्षेत्रीय मुद्दों और चिंताओं के अभिसरण को लाने का प्रयास करता है। यह स्वैच्छिक क्षेत्र के विभिन्न प्रयासों और पहलों के लिंकेज को भी सुगम बनाता है।

अस्वीकरणः यह प्रकाशन हेनरिक बॉल स्टिफ्टंग के सहयोग से तैयार किया गया था। प्रकाशन में निहित विचार और विश्लेषण लेखक(कों) के हैं और जरूरी नहीं कि वे फाउंडेशन के विचारों का प्रतिनिधित्व करते हों।